Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24 website- www.dvpnews.in रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 295 ● वर्ष : 11 ● रायपुर, गुरुवार 23 मई 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

बिना पूछे ने बोलें और पूछने पर असत्य न बोलें।

Don't speak unless asked and when asked don't tell lie.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

सीएम विष्णुदेव साय ने हिंसा प्रभावित किर्गिस्तान में फंसे छत्तीसगढ़ के छात्रों से की फोन पर बात

मुख्यमंत्री ने कहा- चिंता की कोई बात नहीं, भारत सरकार किर्गिस्तान सरकार के सतत संपर्क में है

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हिंसा प्रभावित किर्गिस्तान में फंसे छत्तीसगढ़ के छात्रों से फोन पर बात की है। उन्होंने छात्रों को खुद का ख्याल रखने और जरूरत होने पर छत्तीसगढ़ सरकार से संपर्क करने को कहा है। उहोंने कहा कि इस विषम परिस्थिति में छत्तीसगढ़ और भारत सरकार उनके साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बिलासपुर जिले के मस्तूरी निवासी छात्र विजय और जांजगीर जिले की निवासी छात्रा शिवानी से बात कर उनका हालचाल जाना और खुद का ख्याल रखने को कहा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार, किर्गिस्तान सरकार के साथ लगातार संपर्क में है। आप सभी चिंता न करें, छत्तीसगढ़ सरकार हर कदम आपके साथ खड़ी है।

छात्रों ने वहां माहौल के तनावपूर्ण होने की जानकारी दी। इस पर सीएम साय ने उन्हें खुद का ख्याल रखने को कहा। बच्चों ने बताया कि उन्हें हास्टल से निकलने की अनुमति नहीं है, उन्हें भोजन-पानी वहीं उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने वापसी के लिए टिकटें बुक करा ली है। जिस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर कोई भी परेशानी हो तो आप सभी छत्तीसगढ़ सरकार से अवश्य संपर्क करें। राज्य सरकार, भारत सरकार के सहयोग से आप सभी के सुरक्षित वतन वापसी को सुनिश्चित करेगी।

छत्तीसगढ़ के 70 विद्यार्थी गए हैं पढ़ाई करने : गौरतलब है कि किर्गिस्तान में मिस्त्र की छात्राओं से छेड़छाड़ की घटना के बाद विवाद शुरू हुआ है। जिसको लेकर स्थानीय छात्र हिंसक हो गए और खासकर भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के छात्रों के साथ हिंसा कर रहे हैं। इसके चलते वहां तनाव के हालात हैं। किर्गिस्तान में छत्तीसगढ़ के लगभग 70 विद्यार्थियों सहित भारत के लगभग 15 हजार विद्यार्थी मेडिकल और अन्य विषयों की पढ़ाई कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने फिर कहा- सत्ता में आने पर 'अग्निवीर योजना' बंद करेंगे

चंडीगढ़ (आरएनएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को हरियाणा के महेंद्रगढ़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यदि कांग्रेस सत्ता में आई तो अग्निवीर योजना को पूरी तरह से रद्द कर दिया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी ने भारत के जवानों को मजदूरों की तरह बना दिया है। सेना अग्निवीर योजना नहीं चाहती है। यह पीएमओ द्वारा बनाई गई योजना है। एक बार कांग्रेस सत्ता में आएगी तो हम इस योजना को पूरी तरह से रद्द कर देंगे।

उन्होंने कहा, भाजपा का कहना है कि शहीद दो तरह के होंगे (एक सामान्य जवान और अधिकारी) जिन्हें पेंशन, शहीद का दर्जा और सभी सुविधाएं मिलेंगी। दूसरी तरफ गरीब परिवार का व्यक्ति जिसे अग्निवीर नाम दिया गया है। अग्निवीरों को न शहीद का दर्जा मिलेगा, न पेंशन, न कैंटीन की सुविधा।

राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा का युवा सेना में चयनित होने पर गर्व महसूस करता है।इसके अलावा राहुल गांधी ने प्रदर्शनकारी किसानों को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि हरियाणा के किसान दिन भर खेतों में काम करते हैं। मोदी सरकार ने आपके अधिकार छीन लिए और अरबपतियों की मदद के लिए भूमि न्यायाधिकरण विधेयक को खत्म कर दिया। फिर तीन कृषि कानून आए, लेकिन सरकार को पीछे हटना पड़ा।

कांग्रेस के शहजादे तो राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटना चाहते हैं : नरेन्द्र मोदी

बस्ती (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बस्ती में भाजपा उम्मीदवार हरीश द्विवेदी के पक्ष में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश में पांच चरण के चुनाव हो चुके हैं। जनता ने तीसरी बार मोदी सरकार पक्की कर दी है। जबकि, इंडी अलायंस निराशा की गर्त में डूबा है। उन्होंने कहा कि पांच चरण में मोदी सरकार पक्की हो गई है। इंडी अलायंस वालों का बयान देख लीजिए, पूरा इंडी अलायंस ऐसी निराशा की गर्त में डूबा है कि अब उनको यह भी याद नहीं रहता है कि उन्होंने दो दिन पहले क्या बोला था और आज क्या बोल रहे हैं। सपा-कांग्रेस के दोनों शहजादे दिन में सपने देखते हैं। पहले मैं ये बात सुना करता था। 4 जून को यूपी की जनता इनको नींद से जगाने वाली है। तब, ये ठीकरा ईवीएम पर फोड़ेंगे। इंडी गठबंधन की परिवारवादी पार्टियों ने तुष्टीकरण की सारी हदें पार कर दी है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारा देश 500 साल से राम मंदिर की प्रतीक्षा कर रहा था। इंडी गठबंधन को राम मंदिर से परेशानी है। सपा के एक बड़े नेता कहते हैं कि राम मंदिर तो बेकार है। सपा खुलेआम कहती है कि राम मंदिर को चाहने वाले राम भक्त पाखंडी हैं। राम मंदिर अपवित्र है। ये लोग सनातन धर्म के विनाश की बात करते हैं। इन सबकी आका कांग्रेस पार्टी है। कांग्रेस के शहजादे तो राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटना चाहते हैं। यह लोग राम मंदिर पर बाबरी ताला लगाने का सपना देख रहे हैं। ये रामलला को फिर से टेंट में भेजना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इस देश में बहुत लोग हैं, जिन्हें अपने बेटे का जन्मदिन याद नहीं है, अपनी शादी की तारीख याद नहीं है। लेकिन, इस देश के बच्चे-बच्चे को पता है, मैं 22 जनवरी 2024 बोलता हूं और देश बोल पड़ता है जय श्री राम। उस ऐतिहासिक दिन मैंने कहा था कि राम से राष्ट्र और विरासत से विकास, आध्यात्म से आधुनिकता, आज देश इसी मंत्र पर आगे बढ़ रहा है। मैं पहले भी यहां आ चुका हूं। मैं आपकी तपस्या बेकार नहीं जाने दूंगा। ज्यादा मेहनत करके आपकी तपस्या को विकास के रूप में लौटाऊंगा। आप सभी को अपने वोट से इन्हें करारी चोट करनी है। इस समय कांग्रेस और सपा को अचानक संविधान की याद आ गई। इसी कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाया था। संविधान खत्म करने की भरपूर कोशिश की थी। पार्टी खुद का संविधान नहीं मानती है। पीएम मोदी ने कहा कि बस्ती में उमड़ा ये हुजूम हमारी सरकार के बीते 10 वर्षों के ट्रैक रिकॉर्ड पर जनता-जनार्दन की मुहर है।

सपा की रैलियों में रोज दिख रही भगदड़, मारपीट और अराजकता : सीएम योगी

जौनपुर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि समाजवादी पार्टी में अभी रोज भगदड़, मारपीट, अराजकता व नूराकुश्ती दिख रही है। जब यह सत्ता में रहे होंगे तो कैसे उत्तर प्रदेश की जनता का खून चूसकर शोषण किया होगा, यह किसी से छिपा नहीं है। मुख्यमंत्री बुधवार को जौनपुर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा लोकसभा चुनाव के पांच चरण संपन्न हो चुके हैं। पूरे देश में एक ही स्वर है- फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी बार-400 पार। यह सुनते ही समाजवादी पार्टी की स्थिति बहुत बुरी हो जाती है। यह क्षेत्रीय पार्टी 60-62 सीटों पर ही चुनाव लड़ रही है। मध्य प्रदेश के खजुराहो में इनके प्रत्याशी ने नामांकन ही गलत भर दिया। कोई लड़ने के लिए नहीं मिला। जब सपा व कांग्रेस के लोग सत्ता से कोसों दूर हैं, तब भी अपने नेता का सम्मान नहीं कर पा रहे हैं। समाजवादी पार्टी में अभी रोज भगदड़, मारपीट, अराजकता व नूराकुश्ती दिख रही है। सीएम योगी ने कहा कि रामद्रोही जातिवादी-परिवारवादी राजनीति करते हैं।

लोकसभा चुनाव-2024 : सातवें चरण में 57 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे 904 उम्मीदवार

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें चरण में 8 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से 904 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। सातवें चरण के लिए 1 जून को मतदान होना है। गौरतलब है कि 1 जून को होने वाले मतदान का यह सातवां चरण इस लोकसभा चुनाव की वोटिंग का अंतिम चरण है। इसके बाद 4 जून को वोटों की गिनती प्रारंभ होगी।

सातवें चरण की जानकारी देते हुए चुनाव आयोग ने बुधवार को बताया कि लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें चरण में 57 संसदीय क्षेत्रों के लिए कुल 2105 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। सभी 8 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के लिए चरण 7 के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 14 मई, 2024 थी। दाखिल किए गए सभी नामांकनों की जांच के बाद 954 नामांकन वैध पाए गए। नाम वापसी के बाद अंतिम रूप से चुनावी मैदान में 904 उम्मीदवार शेष बचे हैं।

चुनाव आयोग ने बताया कि चरण 7 में पंजाब में 13 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों से अधिकतम 598 नामांकन फॉर्म थे। इसके बाद उत्तर प्रदेश में 13 संसदीय क्षेत्रों से 495 नामांकन थे। बिहार के जहानाबाद संसदीय क्षेत्र से सर्वाधिक 73 नामांकन पत्र प्राप्त हुए। इसके बाद दूसरे नंबर पर पंजाब के लुधियाना संसदीय क्षेत्र से 70 नामांकन पत्र प्राप्त हुए।

चुनाव आयोग के मुताबिक 7वें चरण के लिए एक संसदीय क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की औसत संख्या 16 है। सातवें एवं आखिरी चरण में बिहार की 8 सीटों पर लोकसभा चुनाव होना है। चंडीगढ़ की 1 सीट पर, हिमाचल प्रदेश की चारों संसदीय सीटों पर लोकसभा का चुनाव होना है। झारखंड की 3 सीटों पर, ओडिशा की 6 सीटों पर व पंजाब की सभी 13 सीटों पर भी सातवें व अंतिम चरण में ही मतदान होना है। वहीं उत्तर प्रदेश की 13 और पश्चिम बंगाल की 9 सीटों पर भी अंतिम व सातवें चरण में चुनाव होगा।

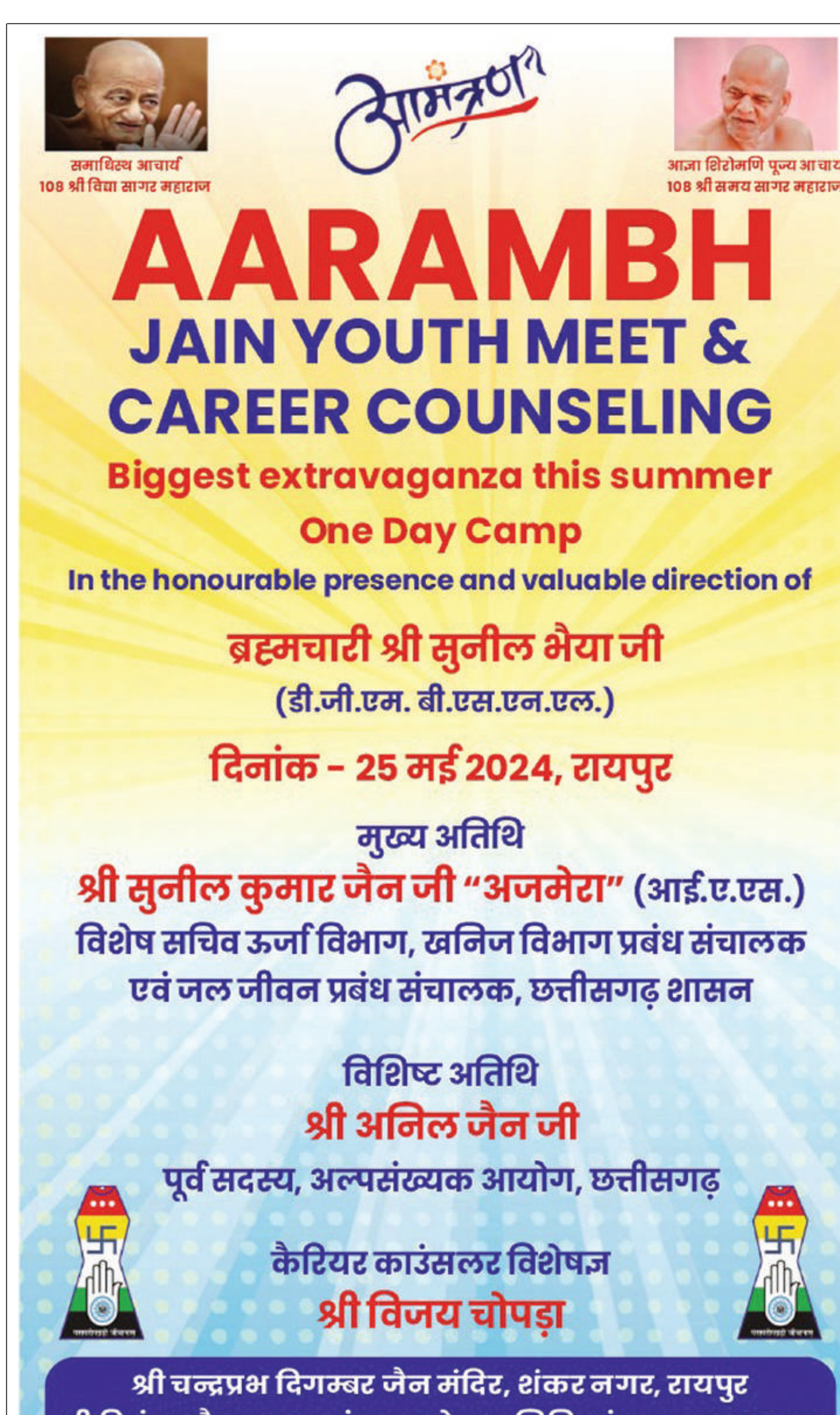

प्रबंध संचालक अबिनाश मिश्रा ने स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स की समीक्षा बैठक ली

प्रति दिन प्रोजेक्ट्स मॉनिटरिंग के दिए निर्देश

ज़्यादातर प्रोजेक्ट जून के अंत से पहले हो जाएँगे पूरे

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्री अबिनाश मिश्रा ने आज स्मार्ट सिटी मिशन के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में प्रगतिरत प्रोजेट्स की जून तक की समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। मटन मार्केट, 24X7 वाटर सप्लाई परियोजना, महाराजबंध तालाब, खो-खो तालाब व नरैया तालाब में निर्माणाधीन एसटीपी के कार्य में तेज़ी लाने उन्होंने अधिकारियों से कहा है। बैठक में बताया गया कि 215 करोड़ के निर्माण कार्य इस समय प्रगति पर है, जिनमें से अधिकांश कार्य जून तक पूरे हो जाएँगे।

एम.डी.श्री मिश्रा ने सभी निर्माण एजेंसियों से कहा है कि अंडरग्राउंड केबलिंग एवं ज़ोनल स्मार्ट रोड, बूढ़ातालाब परिक्रमा पथ, मालवीय रोड सड़क विद्युतीकरण जैसे शेष सभी प्रोजेक्ट्स भी तय समय सीमा में सभी कार्य पूरे करे। उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि प्रतिदिन नियमित तौर पर सभी प्रोजेक्ट्स की प्रगति की जानकारी रखें।

इस बैठक में रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के महाप्रबंधक (तकनीकी) श्री पी.के.पंचायती, अतिरिक्त महाप्रबंधक (तकनीकी) इमरान खान, उप-महाप्रबंधक (वित्त) श्री अमित शर्मा, उप-प्रबंधक श्री संजय अग्रवाल, श्री अमित मिश्रा, असिस्टेंट मैनेजर श्री योगेन्द्र, श्री शुभम तिवारी सहित रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड से संबद्ध कंसल्टेंट सहित निर्माण एजेंसी के प्रभारी उपस्थित थे।

सिंगापुर के बाद अब भारत में पहुंचा कोरोना का नया वैरिएंट

300 से ज्यादा मामले आए सामने

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में कोविड-19 के सब वैरिएंट केपी.2 से 290 और केपी.1 से 34 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। ये दोनों सब वैरिएंट सिंगापुर में संक्रमण के मामले बढ़ने के लिए जिम्मेदार हैं। ये दोनों जेएन1 वैरिएंट के सब वैरिएंट हैं और इनका संबंध अस्पताल में भर्ती होने के मामलों और गंभीर रूप से बीमार होने से नहीं है। स्वास्थ्य मंत्रालय से जुड़े सूत्र ने आगे कहा कि अभी तक किसी मरीज में गंभीर लक्षण नहीं देखे गए हैं। अस्पतालों से इस नए वैरिएंट से संक्रमित लोगों के सैंपल लिए गए हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

गौरतलब है कि भारत में कोरोना के मामलों पर निगरानी रखने वाले इंडियन सार्स कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम के डाटा से इस बात का खुलासा हुआ है। डाटा के अनुसार, भारत में इस नए वैरिएंट केपी.1 के कुल 34 मामले अभी तक मिले हैं, जिनमें 23 मामलों की पुष्टि सिर्फ पश्चिम बंगाल में ही की गई है। वहीं केपी.1 का एक मामला गोवा, दो मामले गुजरात, चार मामले महाराष्ट्र, दो मामले राजस्थान और एक मामले की पहचान उत्तराखंड में की गई है।

वहीं डाटा के अनुसार, केपी.2 वैरिएंट के कुल 290 मामलों की पुष्टि भारत में की गई है। केपी.2 के 148 मामलों के महाराष्ट्र सबसे ऊपर है। वहीं दिल्ली में एक, गोवा में 12, गुजरात में 23, हरियाणा में 3, कर्नाटक में 4, मध्य प्रदेश में एक, ओडिशा में 17, राजस्थान में 21, उत्तर प्रदेश में 8, उत्तराखंड में 16 और पश्चिम बंगाल में 36 मामलों की पुष्टि की गई है।

संक्षिप्त समाचार

प्रधान न्यायाधीश ने किया जिला जेल बलौदाबाजार का किया निरीक्षण

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। श्री राकेश बिहारी घोरे प्रधान न्यायाधीश /अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बलौदाबाजार के द्वारा आज दिनॉक 22.05.2024 को जिला जेल बलौदाबाजार का किया गया निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण में विचारधीन बंदियो को दी जाने वाली सुविधाओ, पाकशाला की सफाई, स्वास्थ्य जॉच हेतु ओपीडी कक्ष, उनके रहने के स्थान की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, स्नानागार एवं शौचालय की साफ सफाई का निरीक्षण किया गया। जेल निरीक्षण में बैरक के अंदर निर्माणधीन शौचालय का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने एवं अतिरिक्त पाकशाला बनवाये जाने हेतु संबंधित अधिकारियो को निर्देशित किया गया जिससे वहॉ रह रहे विचारधीन बंदीयो को बनियादी सुविधा उत्पन्न हो सके। जेल में पेय जल व्यवस्था हेतु पाईप लाईन व बंदियो से मिलने आने वाले उनके परिजनो हेतु जेल के बाहरी परिसर में सेड का निमार्ण जल्द से जल्द किये जाने का संबधित अधिकारियो को निर्देशित किया गया। ताकि दूर दराज से आये परिजन को गर्मी से राहत मिल सके। जेल परिसर में लगे सी सी टी वी कैमरा व न्यायालय की आवश्यक कार्यवाही हेतु जेल परिसर से वी.सी के माध्यम से दी जाने वाली सुविधाओ का भी निरीक्षण किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिरण द्वारा संचालित योजनाओ में ऐसे बंदी जिनके पैरवी हेतु अधिवक्ता नही उनको नि:शुल्क अधिवक्ता दिलाया जाना एवं अधिक से अधिक विधिक सहायता दिया जाना जिससे कोई भी बंदी न्याय से वंचित न रहे सके की जानकारी बंदियो को दिया गया।

शीघ्रलेखन एवं मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परीक्षा स्थगित

रायपुर (विश्व परिवार)। शीघ्रलेखन एवं मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परिषद्, लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ द्वारा हिन्दी एवं अंग्रेजी कम्प्यूटर मुद्रलेखन की विभिन्न गति की डिप्रेशन प्रति घंटे के मान से आयोजित की जाने वाली कौशल परीक्षा अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है। यह परीक्षा प्रदेश के रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर एवं बस्तर संभाग में 26 मई, 02 जून, 09 जून और 16 जून 2024 को परिषद द्वारा आयोजित की जाने वाली थी। परिषद द्वारा परीक्षाओं के पुन: आयोजन करने संबंधित आगामी तिथि निर्धारित कर सर्वसंबंधित परीक्षार्थियों के लिए प्रदेश के प्रमुख समाचार पत्रों के माध्यम से प्रकाशित की जाएगी। साथ ही परिषद की वेबसाईट https://shiksha.cg.nic.in/ctsp पर तिथियों की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी।

जिपं सीईओ की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक, मानसून से पूर्व निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के दिए निर्देश

दुर्ग (आरएनएस)। सीईओ जिला पंचायत दुर्ग अश्विनी कुमार देवांगन की अध्यक्षता में आज जिला पंचायत दुर्ग के सभा कक्ष में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उन्होंने ब्लॉक सीईओ को वर्षा के पूर्व मनरेगा अंतर्गत निर्माण कार्यों को तेजी से पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि मनेरगा के तहत राज्य के प्राप्त लक्ष्य अनुसार निर्माण कार्य जैसे तालाब निर्माण, तालाब गहरीकरण, डबरी निर्माण, अमृत सरोवर कार्य का जल्द पूर्ण किये जाएं ताकि जिले के अधिक से अधिक श्रमिकों को लाभ मिल सके और रोजगार गारंटी योजना के तहत् 100 दिवस का रोजगार सृजित हो सके। जून माह में मानसून के दस्तख देने से पूर्व मिट्टी से सबंधित निर्माण कार्य को युद्ध स्तर पर कार्ययोजना बनाकर पूर्ण किया जाएं। जिला पंचायत सीईओ श्री देवांगन ने कार्यक्रम अधिकारी को कहा कि मनरेगा के तहत चल रहे कार्यों की प्रति सप्ताह के अंत में मास्टर रोल की एन्ट्री भी पूर्ण करें। कम्प्यूटर ऑपरेटर द्वारा मास्टर रोल की एन्ट्री समय में नहीं होने पर कार्यवाही होगी।

जीएसटी कटौती के संबध में ऑनलाइन प्रशिक्षण हुआ सम्पन्न

2 लाख 50 हजार से अधिक भुगतान पर फर्म, एजेंसी, सहित अन्य सर्विस प्रदाता को अब 2 प्रतिशत जीसीएसटी टीडीएस कटौती अनिवार्य

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। शासकीय विभागों द्वारा सेवा प्राप्ति एवं सामग्री खरीदी पर विक्रेताओं एवं निर्माण कंपनी, ठेकेदारों तथा सेवा प्रदाताओं को किये जाने वाले भुगतानों पर जीएसटी के स्त्रोत पर टीडीएस कटौती करने के संबंध वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से कार्यशाला आयोजित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर के एल चौहान वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से कलेक्टोरेट सभाकक्ष से जुड़े रहे।

कार्यशाला में बताया गया कि केन्द्रीय माल और सेवा अधिनियम, 2017 एवं छत्तीसगढ माल और सेवा कर अधिनियम 2017 की धारा 51 के प्रावधानों के अनुसार शासकीय विभागों द्वारा किये जाने वाले सामग्री खरीदी एवं सेवा प्राप्ति पर प्रदायकर्ताओं /ठेकेदारों को किये जाने वाले भुगतान पर स्त्रोत पर कर की जीएसटी- टीडीएस कटौती के संबंध में प्रावधान किये गए हैं। शासकीय विभाग या स्थापना, स्थानीय प्राधिकारी, शासकीय अभिकरण, शासन के किसी भी डीडीओ द्वारा 2.5 लाख रूपए से अधिक भुगतान होने पर 2 प्रतिशत (1 प्रतिशत सीजीएसटी + 1 प्रतिशत एसजीएसटी अथवा 2 प्रशित आईजीएसटी) की दर से स्त्रोत पर कटौती जीएसटी-टीडीएस किया जाना है। अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सभी शासकीय विभागों तथा स्थानीय प्राधिकारियों को जीएसटी के अंतर्गत स्त्रोत पर टीडीएस कटौतीकर्ता के रूप में रजिस्ट्रेशन लिया जाना है। विभागों द्वारा खरीदी की जाने वाली सामग्री, मशीन-उपकरण, फर्नीचर, स्टेशनरी अथवा अन्य कोई भी वस्तु, निर्माण कार्यों एवं ठेकों तथा लिये जाने वाली किसी भी प्रकार की सेवाओं की राशि पर जीएसटी-टीडीएस करने के बाद अगले माह की 10 तारीख तक रिटर्न जीएसटीआर-07 में प्रस्तुत किया जाना है। समय पर रिटर्न फ़ाइल नही करने पर डी डी ओ 100 रुपये से अधिकतम 10000 तक पेनल्टी का प्रावधान है।यह देखने में आया है कि कई विभागों एवं कार्यालयों द्वारा जीएसटी- टीडीएस कटौतीकर्ता के रूप में प्रावधानों के अंतर्गत जीएसटी पंजीयन नहीं लिया गया है तथा पंजीयन लेने वाले प्राधिकारियों द्वारा सही प्रकार से जीएसटी की स्त्रोत पर कटौती संबंधी प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है। इससे राज्य शासन का जीएसटी से प्राप्त होने वाले राजस्व की क्षति हो रही है। इसके संबंध में यह निर्देशित किया जाता है कि समस्त भुगतानकर्ता प्राधिकारियों, आहरण एवं संवितरण अधिकारियों द्वारा केंद्रीय एवं छत्तीसगढ माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 के अंतर्गत स्त्रोत पर कटौती के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी वस्तु अथवा सेवा प्रदायकर्ता द्वारा एक वित्तीय वर्ष के दौरान एक ही क्रय/सेवा आदेश के विरूद्ध पृथक-पृथक देयकों में राशि का विभाजन करते हुए जीएसटी की स्त्रोत पर कटौती हेतु निर्धारित 2 लाख 50 हजार रूपए की सीमा का उल्लंघन न हो। इसके साथ ही सभी कोषालयों, उपकोषालयों, निर्माण विभागों, वन विभाग के भुगतान प्राधिकारियों का निर्देशित किया जाता है। आहरण एवं संवितरण अधिकारियों द्वारा वस्तु एवं सेवा प्रदाय के भुगतान संबंधी प्रस्तुत देयकों में प्रदायकर्ताओं की जीएसटीआईएन को चिन्हांकित करने की व्यवस्था की जाए तथा देयकों के भुगतान के पूर्व यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रदायकर्ता द्वारा दिया गया जीएसटीआईएन वर्तमान में सक्रिय वैध हो। उक्त प्रशिक्षण संचालक कोष लेखा एवं पेंशन महादेव कावरे के मार्गदर्शन एवं डिप्टी कमिश्नर जीएसटी मनीष मिश्रा की उपस्थिति में कार्यालय संभागीय कोष लेखा एवं पेंशन रायपुर के द्वारा दिया गया है। जिसमे वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संभागीय संयुक्त संचालक इमरान खान, उपसंचालक मंजू गोपाल यादव सहायक संचालक नागेंद्र सिंह, प्रशांत साहू, नीलिमा भोई के द्वारा प्रदान किया गया है। जिला मुख्यालय में इस अवसर पर जिला कोषालय अधिकारी गणेशु प्रसाद घिदौडे एवं जिले के सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं जिला कोषालय के सहायक कोषालय अधिकारी विनोद कुमार सोनी जुड़े रहे।

मतगणना 4 जून को, प्रतिबंधात्मक आदेश जारी, श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल विवि भिलाई 300 मीटर की परिधि पर प्रभावशील रहेगा

दुर्ग (आरएनएस)। भारत निर्वाचन आयोग नईदिल्ली द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत मतगणना का कार्य 04 जून 2024 को संपन्न होगा। जिले में लोक शांति बनाए रखने तथा निर्वाचन प्रक्रिया निर्विघ्न, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु मतगणना केन्द्र श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल विश्वविद्यालय जुनवानी भिलाई जिला दुर्ग के 300 मीटर की परिधि तक अवैधानिक कृत्य प्रतिबंधित रहेगा। संसदीय निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 07 दुर्ग में 07 मई 2024 को मतदान संपन्न हो चुका है। 4 जून को मतगणना का कार्य श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल विश्वविद्यालय जुनवानी भिलाई के भवन में प्रात: 8:00 बजे से किया जाएगा।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 1973 के अंतर्गत धारा 144 (1) एवं (2) के तहत् प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश पारित किया है। जिला दण्डाधिकारी के आदेशानुसार जिले के अंतर्गत मतगणना केन्द्र श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल विश्वविद्यालय जुनवानी भिलाई के 300 मीटर की परिधि पर कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का घातक अस्त्र-शस्त्र जैसे बंदूक, रायफल, भाला, बल्लम, बरछा, लाठी एवं अन्य प्रकार के घातक हथियार तथा विस्फोटक सामग्री लेकर मतगणना स्थल पर नही जाएगा।

कोई भी राजनीतिक दल या या अभ्यर्थी, निर्वाचन अभिकर्ता, मतगणना अभिकर्ता सशस्त्र जुलूस नही निकालेगा और न ही आपत्तिजनक पोस्टर वितरित करेगा, न ही चस्पा करेगा। जिले के अंदर मतगणना केन्द्र के आस-पास कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के न तो कोई सभा करेगा, न कोई रैली या जुलूस निकाल सकेगा और न ही कोई धरना देगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले समूह व व्यक्ति के विरूद्ध धारा 188 भारतीय दण्ड संहिता के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश उन व्यक्तियों पर लागू नही होगा जिन्हें निर्वाचन कार्य को संपादन करने, मतगणना से संबंधित कार्य हेतु अधिकृत व्यक्ति (पासधारी) एवं कानून व्यवस्था को बनाए रखने हेतु अधिकारी-कर्मचारी व सुरक्षा बल को नियुक्त किया गया है।

यह आदेश उन व्यक्तियों पर भी लागू नहीं होगा जिन्हें शारीरिक दुर्बलता, वृद्धावस्था तथा लंगड़ापन होने के कारण सहारे के रूप में लाठी रखना आवश्यक होता है। यह आदेश मतगणना दिनांक 4 जून को प्रात: 6 बजे से लोकसभा निर्वाचन कार्य मतगणना संपन्न होते तक की अवधि के लिए दुर्ग जिले में स्थापित मतगणना स्थल श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल विश्वविद्यालय जुनवानी भिलाई में प्रभावशील रहेगा।

प्रदेश सरकार दुर्घटना के पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है : डॉ. रमन सिंह

दिवंगतों के परिजन और घायलों को हर संभव मदद उपलब्ध करवाना हमारी प्राथमिकता है

बाहपानी सड़क हादसे पर विधानसभा अध्यक्ष ने क्षेत्रिय विधायक भावना बोहरा और कलेक्टर से की बात

रायपुर (विश्व परिवार)। गत सोमवार को कवर्धा जिले में पिक-अप गाड़ी के हादसे से प्रदेश में शोक का वातावरण रहा, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह समेत छत्तीसगढ़ सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस हादसे पर संवेदनाएं प्रकट की थी। कुकदूर थाना क्षेत्र, पंडरिया विधानसभा में हुए इस भीषण हादसे को गंभीरता से लेकर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने क्षेत्रीय पंडरिया विधायक भावना बोहरा से फोन पर बात की। इसके साथ ही परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए परिवार की स्थिति की जानकारी भी प्राप्त की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने इस पूरे मामले पर जिले के कलेक्टर जन्मेजय महोबे से बात कर इस घटना की विस्तृत जानकारी ली और भविष्य में ऐसे हादसों को किस प्रकार रोका जा सके इस विषय पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए हैं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ दिवंगतों के परिजनों और घायलों के साथ है, इस दुर्घटना से प्रभावित सभी लोगों को हर संभव सहायता की जाएगी।

छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में सड़क हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को प्रदेश सरकार ने 5-5 लाख रुपए की सहायता राशि देने का ऐलान कर दिया है। इसके साथ ही सभी घायलों को 50 हजार रुपए देने की बात भी कही है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने इस दुर्घटना से प्रभावित हर परिवार को करते हुए कहा है कि क्षेत्रीय विधायक भावना बोहरा, जिला प्रशासन और प्रदेश सरकार समेत पूरी व्यवस्था इस हादसे पर गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ हादसे के पीड़ितों के साथ है और इस दुर्घटना से प्रभावित एक-एक व्यक्ति तक हर संभव सहायता सुनिश्चित की जाएगी।

ई-श्रम कार्डधारी पात्रतानुसार राशनकार्ड बनवाने के लिए स्थानीय निकाय से करें संपर्क

राशनकार्ड हेतु आधार कार्ड, ई-श्रम कार्ड एवं बैंक खाते की जानकारी निर्धारित आवेदन पत्र के साथ करानी होगी उपलब्ध

दुर्ग (आरएनएस)। जिले में 13 हजार 276 व्यक्ति ई-श्रम कार्डधारी के रूप में चिन्हांकित है, जिन्हें प्राथमिकता राशनकार्ड कार्ड की पात्रता है। शासन के निर्देशानुसार ई-श्रम कार्डधारियों द्वारा अपने परिवार के सदस्यों का आधार कार्ड, ई-श्रम कार्ड एवं बैंक खाते की जानकारी राशनकार्ड हेतु निर्धारित आवेदन पत्र के साथ अपने क्षेत्र के स्थानीय निकाय- शहरी क्षेत्र में नगर निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत एवं ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायतों में उपलब्ध कराये जाने पर उन्हें पात्रतानुसार राशनकार्ड जारी किया जायेगा। खाद्य नियंत्रक से मिली जानकारी के अनुसार चिन्हांकित ई-श्रम कार्डधारियों में से अब तक जिले में 3 हजार 279 का राशनकार्ड बनाकर प्रदाय कर दिया गया है। शेष बचे चिन्हांकित ई-श्रम कार्डधारी से अपील की गई है कि वे स्थानीय निकाय से संपर्क कर अपना राशनकार्ड शीघ्र बनवा लें या परिवार को जारी राशनकार्ड में अपना नाम जुड़वा सकते है। यदि उन्हें पहले से राशनकार्ड जारी है तो अपने निकटतम शासकीय उचित मूल्य दुकान में राशनकार्ड की जानकारी उपलब्ध करायें। राशनकार्ड हेतु आवेदन पत्र एवं जानकारी नही प्रस्तुत करने पर यह माना जावेगा कि उनके परिवार में राशनकार्ड बना हुआ है एवं उनका नाम राशनकार्ड में अंकित है।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **टाटीबंध** कॉलोनी, रायपुर में निर्मित **ढांचा** भवन योजना के अंतर्गत भवनों में से भवन क्रमांक **ढांचा-367, में श्री जॉन कुपिली पिता स्व. श्री सौर्या अप्पा** को भाड़ाक्रय/स्ववित्तीय आधार पर आबंटित/ नामांतरित किया गया है। उनके द्वारा दिनांक **05.02.2004** को विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया एवं इस कार्यालय के पत्र **क्र.-975** दिनांक **11.01.2007** को विक्रय अनुमति जारी किया गया।

नवीन क्रेता **श्री कुलदीप सिंग रखराज पिता स्व. अमर सिंग सिक्ख** की नामांतरण पूर्व ही दिनांक **14.09.2015** को मृत्यु हो जाने के कारण उनके पुत्र **श्री मनप्रीत सिंग रखराज पिता स्व. श्री कुलदीप सिंग रखराज** द्वारा उक्त भवन अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र/ सहमति पत्र **1. श्री हरप्रीत सिंग रखराज 2. श्री परमजीत कौर रखराज 3. श्री अभिजीत सिंग रखराज** एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर नामांतरण किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **कबीर नगर फेस-IV कॉलोनी,** रायपुर में निर्मित एम.डी. भवन योजना के अंतर्गत, दुकानों/ भूखण्डों/ भवनों में से भूखण्ड/ भवन क्रमांक-**MD-30 श्रीमति माला ठाकुर पिता स्व. रामेश्वर नाथ ठाकुर** को भाड़ाक्रय/ पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक **17/12/2023** को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक **29/03/2024** को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन **श्रीमती रूबी झा पति श्री नितिश कुमार झा एवं पति श्री नितिश कुमार झा पिता श्री नरेश मोहन झा** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के **15 दिन** के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

114 गांवों का कचरा इकट्ठा कर रिसायकल करने का बस्तर का शानदार मॉडल समृद्धि (MRF) और सिरी (MRC) सेंटर

बेहतर कचरा प्रबंधन के साथ-साथ आर्थिक उपार्जन का केंद्र बना एमआरएफ सेंटर, रोजगार के भी बेहतर अवसर हो रहे उपलब्ध

दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन

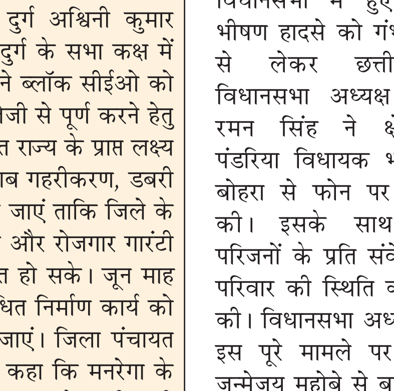

जगदलपुर (विश्व परिवार)। कभी हिंसात्मक गतिविधियों के लिए ही पहचान रखने वाला बस्तर अब मूलत: अपने नवाचारों की वजह से जाना जा रहा है। नवाचार ऐसे जो देश भर के लिए माडल के रूप में तैयार हो रहे हैं। ऐसे ही एक नवाचार कचरा प्रबंधन के लिए जगदलपुर के बुरुंडवाडा सेमरा में साढ़े तीन करोड़ रुपए से बनाया गया है। प्रबंधन सेंटर में 71 ग्राम पंचायतों के 114 गांवों से कचरा आता है और इसे समृद्धि (एमआरएफ अर्थात मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटर में भेजा जाता है। इसके पश्चात मटेरियल रिसाइक्लिंग सेंटर (सिरी) में भेजा जाता है ताकि यह वेस्ट मटेरियल उपयोगी रूप से सामने आये। सभी ग्रामीण क्षेत्रों से वेस्ट मटेरियल रिकवर करने ई-रिक्शा दिये गये हैं। खास बात यह है कि इसमें ड्राइवर 90 प्रतिशत महिलाएं हैं। इनकी रिसाइक्लिंग कर इन्हें सड़क बनाने में, ईंधन आदि कामों में इस्तेमाल किया जाता है। इस तरह वेस्ट मटेरियल का डिस्पोजल यहां समस्या नहीं है अपितु बड़े अवसर के रूप में सामने आई है। इस सेंटर को बेहतर कचरा प्रबंधन के साथ-साथ आर्थिक उपार्जन का केंद्र के रूप में देश स्तर पर पुरस्कार भी प्राप्त किया है जिसमें प्लास्टिक रीसाइक्लिंग कॉन्फ्रेंस एशिया 2023 में अर्बन एंड रूरल के लिए जिला प्रशासन को पहला पुरस्कार और एक्सीलेंस इन मैनेजिंग म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट बाय यूएलबीएस एंड एमसीएस 2022 में नगर निगम जगदलपुर को अवार्ड मिला है।

जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में बस्तर जिले के विकासखंड जगदलपुर के बुरुंडवाडा सेमरा में जिला पंचायत, एचडीएफसी बैंक के सेंटर फॉर एनवायरमेंट एजुकेशन (सीईई) और सृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी से स्वच्छ केंद्र- समृद्धि-एमआरएफ (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) और सिरी- एमआरसी (मटेरियल रिसाइक्लिंग सेंटर) का संचालन किया जा रहा है।

सेंटर का मुख्य उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र में बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देकर परिवर्तनकारी परियोजना को व्यवहार में लाकर अपशिष्ट प्रबंधन मूल्य श्रृंखला में एक चक्रीय अर्थव्यवस्था और एक व्यवसाय मॉडल को बढ़ावा देना। इसके साथ ही इस संस्था से जुड़ी महिला स्व सहायता समूह को रोजगार के अवसर देना है। साथ ही जगदलपुर शहर के कचरा प्रबंधन कर नगर निगम की स्वच्छता दीदियों को भी उनके सामानों की खरीदी कर उनके समूह को आर्थिक लाभ पहुंचाना है। नगर निगम के 9 एसएलआरएम सेंटर से प्लास्टिक सामग्री एमआरएफ सेंटर द्वारा एसएलआरएम सेंटरों को 23 लाख से अधिक राशि का भुगतान किया है। उक्त सेंटर का बस्तर जिले में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन कार्यशाला में शामिल स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के राज्य स्तर के सलाहकार, विभिन्न जिलों के जिला समन्वयक ने भ्रमण कर सेंटर की हर गतिविधियों की जानकारी ली। बस्तर में कार्यशाला का आयोजन पंचायत विभाग के प्रमुख सचिव के निर्देश में किया गया, ताकि जिलों में भी इस प्रकार के मॉडल को अपनाने की पहल की जा सके।

कार्यशाला के समापन के अवसर पर कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने कहा कि उन्होंने अपने जिला पंचायत सीईओ और नगर निगम कमिश्नर के पदीय दायित्वों के निर्वहन के दौरान स्वच्छ भारत मिशन में ठोस, लिक्विड, प्लास्टिक प्रबंधन के कार्यों का अनुभव के आधार पर बस्तर में कचरा प्रबंधन में एमआरएफ सेंटर के संचालन में सफल हुए। इसके बाद बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट में कार्य किया जा रहा है। एमआरएफ सेंटर का सतत संचालन के लिए कार्य योजना भी बनाई गई है। एमआरएफ सेंटर ने बस्तर की अलग पहचान बनाई है इस संस्था से प्रदेश-देश और एशिया स्तर पर पहचाना जाने लगा है, इससे जुड़े संस्था, महिला समूह, व्यक्तियों को बधाई। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन में गांव और शहर को जोड़कर काम करने की जरूरत है ताकि वेस्ट मेटेरियलों का बेहतर प्रबंधन करते हुए इससे जुड़े समूहों को आर्थिक लाभ भी दिलवाया जा सके।

जिले में आयर्वेद चिकित्सा पद्धति को मिल रहा बढ़ावा, आयुष विभाग की मोबाइल मेडिकल यूनिट गांव-गांव पहुंचकर दे रही सेवाएं

कलेक्टर के पहल पर रेडक्रॉस सोसायटी से मिली मोबाइल मेडिकल यूनिट

जगदलपुर (विश्व परिवार)। जिले में आयुष विभाग द्वारा आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार आयुष विभाग के द्वारा 30 बिस्तरयुक्त जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय में जहां बाह्य रोगी कक्ष एवं अन्त: रोगी कक्ष में मरीजों को समुचित उपचार सुविधाएं प्रदान किया जा रहा है। वहीं जिले के अंतर्गत विकासखण्डों में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के 43 आयुष स्वास्थ्य विंग तथा 26 आयुर्वेदिक औषधालयों के द्वारा आयुर्वेदिक पद्धति से उपचार सुविधाएं दी जा रही है। साथ ही जिले के अंदरूनी गांवों में चिकित्सा पहुंचविहीन गांवों में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से ग्रामीणों तक आयुर्वेद चिकित्सा को पहुंचाने का सकारात्मक पहल किया जा रहा है। जिससे आम लोगों में आयुर्वेदिक पद्धति से उपचार करवाने के प्रति जागरूकता के साथ ही रूझान बढ़ रहा है। यही वजह है कि जिले के अंदरूनी इलाकों में मोबाइल मेडिकल यूनिट के द्वारा विगत एक महीने में 584 से अधिक ग्रामीणों का उपचार किया गया है।

जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. मोहनीश साहू ने इस सम्बंध में बताया कि जिले में जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय में हृदय रोग मधुमेह, रक्तचाप, चर्म रोग, स्त्री रोग एवं अन्य सभी रोगों का उपचार किया जाता है। वर्तमान में यहां पर आयुर्वेदिक पद्धति से अर्श रोग (बवासीर) का क्षार सूत्र पद्धति से उपचार किया जा रहा है। जिले के ग्रामीण इलाकों में आयुर्वेद चिकित्सा सुविधाओं को उपलब्ध कराए जाने पर ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के सार्थक प्रयासों के फलस्वरूप रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा आयुष विभाग को एक मेडिकल मोबाइल यूनिट प्रदान किया गया है। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से प्रत्येक सप्ताह हर विकासखण्ड के अंदरूनी गांवों में आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर लगाकर ग्रामीणों को लाभान्वित किया जा रहा है। मोबाइल मेडिकल यूनिट में दो आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, एक फार्मासिस्ट एवं औषधालय सेवक द्वारा स्वास्थ्य जांच एवं उपचार सेवाएं उपलब्ध करायी जा रही है। इस दौरान विशेष रूप से महिला चिकित्सक द्वारा ग्रामीण इलाकों में सेवाएं देने से ज्यादातर ग्रामीण महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। मोबाइल मेडिकल यूनिट में आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था के साथ ही चिकित्सा उपकरण भी उपलब्ध है। आयुष विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. जेआर नेताम बताते हैं कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में चर्मरोग, उदर रोग, स्त्री रोग, वात रोग सहित मधुमेह एवं हृदय रोग से पीड़ित ग्रामीण मिल रहे हैं। इन पीड़ितों का स्वास्थ्य परीक्षण उपरांत ईलाज करने सहित स्वास्थ्य सम्बन्धी आवश्यक परामर्श दी जा रही है।

आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में वर्तमान में विशेष तौर पर बुखार तथा उल्टी-दस्त जैसी मौसमी बीमारियों से बचाव एवं उपचार संबंधी चिकित्सकीय सलाह दी जा रही है। इस दिशा में घर के समीप साफ-सफाई रखने, घर में कूलर, पुराने टायर, गमले इत्यादि में पानी जमा नहीं होने देने, मच्छरों के पनपने वाले स्त्रोतों को नष्ट करने के साथ ही सोने के दौरान मच्छरदानी का अनिवार्य रूप से उपयोग करने, हैंडपंप या सोलर ड्यूल पम्प के समीप संग्रहित गन्दे पानी की समुचित निकासी करने सहित शुद्ध पेयजल का उपयोग और गर्म एवं ताजा भोजन का सेवन करने और बीमारियों से पीड़ित होने पर समीपस्थ आयुष स्वास्थ्य केन्द्र अथवा औषधालय में स्वास्थ्य जांच एवं उपचार करवाने की समझाईश देकर स्वस्थ्य जीवनचर्या पर जनजागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर ने अधिकारी-कर्मचारियों को दिलाई आतंकवाद विरोधी शपथ

बिलासपुर। शासकीय कार्यालयों में आज आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया। जिला कार्यालय परिसर में कलेक्टर श्री अवनीश शरण ने आतंकवाद एवं हिंसा के खिलाफ लड़ने की शपथ अधिकारियों एवं कर्मचारियों दिलाई। अधिकारियों-कर्मचारियों ने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास बनाए रखने, मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझबूझ कायम करने और मानव जीवन के मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली शक्तियों से लड़ने की भी शपथ ली। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवकुमार बनर्जी, एडीएम श्री आरए कुरूवंशी सहित जिला कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतगणना केंद्रों में पासधारी अभ्यर्थियों, निर्वाचन व मतगणना अभिकर्ताओं के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

बिलासपुर (विश्व परिवार)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतगणना के दिन मतगणना केंद्रों में पासधारी अभ्यर्थियों, निर्वाचन अभिकर्ताओं और मतगणना अभिकर्ताओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मतगणना हॉल के भीतर मतगणना के परिणाम का योग करने के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी एवं उनके निर्वाचन अभिकर्ता को एक-एक एनालॉग केल्कुलेटर प्रदान करने की व्यवस्था करने को कहा है। मतगणना हॉल के भीतर पासधारी अभ्यर्थियों, निर्वाचन अभिकर्ताओं व मतगणना अभिकर्ताओं को कोरा कागज, मतपत्र लेखा प्रारूप 17सी भाग-1 की प्रति, रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा प्रदाय किए गए ईवीएम और वीवीपैट की सूची जो विभिन्न मतदान केन्द्रों में प्रयोग में लाई गई है तथा प्लास्टिक पेन या पेंसिल ले जाने की अनुमति रहेगी। मतगणना परिसर के बाहरी गेट पर खान-पान की व्यवस्था के लिए अभ्यर्थी/निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा नियुक्त व्यवस्थापक के माध्यम से भोजन पैकेट उपलब्ध कराया जाएगा, जिसे मतगणना हॉल के भीतर नियुक्त किसी एक मतगणना अभिकर्ता द्वारा प्राप्त कर अन्य मतगणना अभिकर्ताओं को प्रदान किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को अभ्यर्थियों और निर्वाचन अभिकर्ताओं को इन व्यवस्थाओं से अवगत कराने के साथ ही इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के भी निर्देश दिए हैं। मतगणना हॉल के भीतर ये सामग्री ले जा सकेंगे पासधारी अभ्यर्थी, निर्वाचन अभिकर्ता एवं मतगणना अभिकर्ता -कोरा कागज, मतपत्र लेखा प्रारूप 17सी भाग-1 की प्रति, रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा प्रदाय किए गए ईवीएम और वीवीपैट की सूची जो विभिन्न मतदान केन्द्रों में प्रयोग में लाई गई है, प्लास्टिक पेन या पेंसिल ये सामग्री रहेंगी प्रतिबंधित - मतगणना हॉल में मोबाइल फोन, आईपेड, लैपटॉप, स्मार्ट वॉच, कैमरा, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, बीड़ी, सिगरेट और गुटका प्रतिबंधित रहेगा।

समाघात दल ने किया भू अर्जन का अनुमोदन

बिलासपुर (विश्व परिवार)। पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा उच्च न्यायालय आवासीय परिसर के निर्माण के लिए तहसील बोदरी के ग्राम बोदरी में 0.22 एकड़ रकबे में स्थित निजी भूमि के अर्जन के संबंध में सामाजिक समाघात दल के द्वारा भू अर्जन का अनुमोदन किया है। प्रस्तावित भूमि शासकीय प्रयोजन के तहत माननीय उच्च न्यायालय के आवासीय परिसर हेतु किया जा रहा है। प्रस्तावित प्रकरण में 0.22 एकड़ निजी भूमि प्रभावित हुई है। निजी भूमि का अर्जन प्रस्तावित जगह पर अन्य अनुपयोगी भूमि नहीं होने की वजह से किया गया है जो आवश्यकता से अधिक नहीं है और न्यूनतम भूमि है, जो तकनीकी दृष्टि से न्यूनतम आवश्यक भूमि है। भूमि अर्जन किए जाने से सामाजिक समाघात न्यूनतम होगा। प्रस्तावित भूमि अर्जन से किसी भी परिवार का विस्थापन नहीं हो रहा है। प्रस्तावित भूमि अर्जन से सार्वजनिक अथवा निजी अधोसंरचना को कोई क्षति नहीं होगी।

शासकीय कार्यालयों हेतु किराए पर ऑफिस उपलब्ध

बिलासपुर (विश्व परिवार)। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा खमतराई स्टेडियम के सामने स्थित दूरदर्शन उच्च शक्ति प्रेषण केन्द्र में 2408 वर्गफीट पर निर्मित ऑफिस को केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार के कार्यालयों या उनके संगठनों को किराए पर दिए जाने की पेशकश की गई है। केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार के कार्यालयों या संगठनों जिन्हें ऑफिस संचालन हेतु उक्त परिक्षेत्र में किराए पर भवन की आवश्यकता है, नोडल अधिकारी श्री एएन पाण्डेय, सहायक निदेशक (अभियांत्रिकी) मो.नं. 9770390057 एवं श्री नवीन जायसवाल, सहायक निदेशक (अभियांत्रिकी) के मो.नं. 997712259 पर संपर्क किया जा सकता है।

गुणवत्ता के साथ तय समय में कार्य पूरा करने दिए निर्देश

सवेरे शहर भ्रमण पर निकले कलेक्टर और निगम आयुक्त

- शहर में चल रहे निर्माण कार्य व जनसुविधाओं का लिया जायजा
- अरपा तट संवर्धन कार्य में देरी पर ठेकेदार को लगाई फटकार

बिलासपुर/ संवाददाता

बिलासपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अवनीश शरण और निगम आयुक्त श्री अमित कुमार आज सवेरे शहर भ्रमण पर निकले। उन्होंने लगभग 3 घंटे तक स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत चल रहे एक दर्जन से ज्यादा जनसुविधाओं के कार्यों का बारीकी से जायजा लिया। कलेक्टर ने मौके पर निर्माण कार्यों की प्रगति देखी और सभी कार्यों को तय समय में पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए है। इस दौरान स्मार्ट सिटी परियोजना से संबंधित अधिकारी एवं ठेकेदार उपस्थित थे। कलेक्टर ने दौरे की शुरूआत इमलीपारा में बनाए जा रहे शॉपिंग कॉम्पलेक्स के निरीक्षण से की। यह शॉपिंग कॉम्पलेक्स स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत लगभग 10 करोड़ की लागत से भव्य और सर्वसुविधायुक्त बनाया जा रहा है। कलेक्टर ने इसका निर्माण दिसम्बर माह के पहले हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि यहां शॉपिंग कॉम्पलेक्स और सड़क बन जाने से शहरवासियों को ट्रैफिक की समस्या से निजात मिलेगी। शॉपिंग कॉम्पलेक्स बनने तक व्यापारियों का व्यवस्थापन पुराने बस स्टैंड में किया जाना प्रस्तावित है। इसके बाद कलेक्टर ने आटोमेटेड मल्टीलेवल शटल टाइप कार पार्किंग का निरीक्षण किया। यह छत्तीसगढ़ में पहली आटोमेटेड मल्टीलेवल कार पार्किंग होगी। इसका

काम पूरा हो जाने पर बिलासपुर को पार्किंग की समस्या से निजात मिलेगी साथ ही यातायात सुव्यवस्थित एवं सुगम होगा। पुराना बस स्टैंड में 12 करोड़ 60 लाख रूपये की लागत से बनाए जाने वाले इस मल्टीलेवल शटल कार पार्किंग में खास बात यह रहेगी की पार्किंग का पूरा सिस्टम आटोमेटिक रहेगा यानी स्वचलित। जहां कार को ग्राउंड फ्लोर में बस ले जाना होगा उसके बाद लिफ्ट के ज़रिए कार ऊपरी मंजिल में आटोमेटिक पार्क हो जाएगी। इस मल्टीलेवल कार पार्किंग में एक साथ 80 कार पार्किंग की जा सकेगी। इसके बाद निरीक्षण के क्रम में पुराना बस स्टैंड के पास कश्यप कॉलोनी में 7 करोड़ 59 लाख रूपए की लागत से बनाए जा रहे नाले का जायजा लिया। नाले को ज्वाली नाले से जोड़ा जाएगा। नाले के बन जाने से 12 वार्डों जैसे विद्या नगर, बस स्टैंड आदि के लोगों को बारिश में जल भराव की समस्या से निजात मिलेगी। कलेक्टर ने यहां रात में भी काम चालू रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने साढ़े तीन एकड़ में कोतवाली थाना परिसर में बनाए जा रहे तीन मंजिला मल्टीलेवल कार पार्किंग का भी जायजा लिया। जिसमें बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर, प्रथम तल, द्वितीय तल और छत तैयार किया जा रहा है। ग्राउंड फ्लोर के अलावा सभी फ्लोर में पार्किंग की सुविधा दी जाएगी जिसमें 198 कार और 290 बाइक एक साथ पार्क की जा सकेगी। ग्राउंड फ्लोर को कमर्शियल कांप्लेक्स के तौर पर विकसित किया जा रहा है, जिसमें 42 दुकान तैयार की जा रही है। 25 करोड़ 7 लाख लागत से इस प्रोजेक्ट को तैयार किया जा रहा है।

शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा एवं बोर्ड परीक्षा परिणाम की बैठक सम्पन्न

सूरजपुर संवाददाता जिला पंचायत सूरजपुर के सभा कक्ष में कलेक्टर श्री रोहित व्यास के अध्यक्षता में शिक्षा विभाग के मासिक समीक्षा बैठक श्री रामललित पटेल जिला शिक्षा अधिकारी की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। जिसमें शैक्षणिक सत्र 2023-2024 हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी बोर्ड परीक्षा परिणाम पर चर्चा, शाला संचालन एवं शैक्षणिक गतिविधियों पर चर्चा, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की समय पर उपस्थिति पर चर्चा, पालक, शिक्षक, विद्यार्थी मीटिंग पर चर्चा, विषयवार मासिक टेस्ट एवं अंतर विद्यालयीन उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन हेतु निर्देशित किया गया है। आगामी शैक्षणिक सत्र 2024-25 हेतु शिक्षा स्तर के साथ ही बोर्ड परीक्षा के परिणाम में सुधार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

बोर्ड परीक्षा में कम प्रतिशत वाले विद्यालयों के प्रचार्यो को सुधार हेतु निर्देशित किया गया ।

इस अवसर पर श्री शशिकांत सिंह जिला परियोजना समन्वयक, श्री रविन्द्र सिंहदेव सहायक संचालक, श्री शरदेन्दु कुमार शुक्ला सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी, समस्त विकासखण्डों के विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी, बी.आर.सी. एवं समस्त हाई/हायर सेकेण्डरी विद्यालयों के प्राचार्य गण उपस्थित रहे।

आतंकवाद विरोधी दिवस पर दिलाई गई शपथ

सूरजपुर संवाददाता/ संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि एवं आतंकवाद विरोधी दिवस के अवसर पर कलेक्टर कार्यालय में प्रशासनिक और विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों को आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने की शपथ दिलाई गई। अधिकारी-कर्मचारियों देश की अंहिसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास रखने तथा सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने, मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझबूझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली तथा विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शिवानी जायसवाल व अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

डेंगू रोगी पुष्टि होने पर कार्यवाही के लिए दिये गए दिशा निर्देश

सूरजपुर संवाददाता/ सेंटिनल सर्विलेंस चिकित्सालय से डेंगू रोगियों की लाइन लिस्टिंग प्राप्त होने के पश्चात क्षेत्र में डेंगू संक्रमण को रोकने हेतु प्राथमिकता से मच्छर लार्वा का स्त्रोत नियंत्रण गतिविधि किया जाना अत्यंत आवश्यक है। डेंगू रोगी पुष्टि होने पर कार्यवाही करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए है। जिसके तहत डेंगू रोगी का पता कन्फर्म करने हेतु रोगी को दूरभाष से संपर्क किया जाए, रोगी का टेव्ब्रल हिस्ट्री लिया जाए, यदि रोगी पिछले 15 दिनों से एक जिला में निवासरत है एवं उसका टेव्ब्रल हिस्ट्री नहीं है उक्त व्यक्ति की जानकारी संबंधित जिला में शामिल किया जाए। यदि रोगी अन्य जिला अथवा राज्य का है, रोगी का उपचार एवं रोगी की निवास स्थान पर दिशा निर्देशानुसार मच्छर लार्वा का स्त्रोत नियंत्रण करते हुए संबंधित जिला अथवा राज्य को जानकारी भेजी जाए।

तीन नायब तहसीलदारों को कलेक्टर अवनीश ने थमाई शो काज नोटिस....

बिलासपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर अवनीश शरण ने जिले की तीन नायब तहसीलदारों को शो कॉज नोटिस जारी किए हैं। राजस्व संबंधी सभी तरह के मामलों के निराकरण में उनके द्वारा शिथिलता बरतने के साथ ही शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा को लांघा जा रहा था। इनमें सकरी तहसील के नायब तहसीलदार राकेश ठाकुर, लीलाधर चंद्रा और बिल्हा की नायब तहसीलदार विनीता शर्मा को नोटिस इश्यू किया गया है। कलेक्टर ने आज राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर निराकरण की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने एक एक नायब तहसीलदार वार मामलों की समीक्षा की। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि बरसात शुरू होने के पहले 15 जून तक सीमांकन के तमाम दर्ज मामले निराकृत कर लिए जाएं। फिलहाल लगभग 700 मामले विभिन्न तहसीलों में लंबित हैं। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि राजस्व अधिकारी अब इलेक्शन मोड से बाहर आ जाएं। अगले 10 दिनों में कार्य में प्रगति

दिखनी चाहिए। प्रकरणों में केवल आदेश जारी करना पर्याप्त नहीं है। पक्षकारों को तत्काल इसके आदेश की प्रति दिलाने के साथ ही मौके पर कंप्लायंस भी दिखना चाहिए। उन्होंने कहा कि निराकरण की प्रगति की वे साप्ताहिक समीक्षा करेंगे। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को भी समीक्षा करने के निर्देश दिए। प्रमुख रूप से कलेक्टर ने बैठक में आम जनता से ज्यादा जुड़े मामले नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, डायवर्सन की गहराई में जाकर समीक्षा की। ज्यादा से ज्यादा डायवर्सन के मामले दर्ज कर राजस्व वसूली के निर्देश दिए। आबादी भूमि की ड्रोन सर्वे की भी जानकारी बैठक में ली गई। जिले की कुल 708 ग्रामों में से 661 ग्रामों में आबादी भूमि है। सभी का सर्वे ऑफ़ इंडिया द्वारा ड्रोन सर्वे किया जा चुका है।

टिकटिंग के लिए लाइन में लगने की झंझट से बचें करें यूटीएस मोबाइल ऐप का उपयोग

- मंडल के विभिन्न स्टेशनों में अभियान चलाकर यात्रियों को निरंतर किया जा रहा है प्रोत्साहित

बिलासपुर (विश्व परिवार)। अनारक्षित टिकटिंग की प्रक्रिया को यात्रियों के सुविधा अनुकूल बनाने, यात्रियों को चिल्हर की परेशानी से राहत दिलाने के साथ ही डिजिटल टिकटिंग मोड को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन द्वारा घर बैठे अनारक्षित टिकट बुकिंग हेतु यूटीएस मोबाइल ऐप की सुविधा प्रदान की गई है। इस ऐप के द्वारा किसी भी स्टेशन के लिए कितनी भी दूरी से अनारक्षित टिकट प्राप्त किया जा सकता है । गर्मी के मौसम में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ के दौरान सुगम तरीके से अनारक्षित टिकट प्राप्त करने का यह सबसे आसान व अच्छा विकल्प है साथ ही टिकट का भुगतान क्र- ड्डड्ढद्यद्दद्ग के माध्यम से करने से 03 प्रतिशत की बोनस राशि भी प्राप्त होती हैयात्रियों को इससे होने वाली लाभ व इस एप से टिकट लेने की सरलतम प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है जिससे यात्रीगण इसका सरलतापूर्वक प्रयोग कर इस सुविधा का अधिकाधिक लाभ उठा सके वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन में मंडल के बिलासपुर सहित सभी प्रमुख स्टेशनों में हेल्प-डेस्क का प्रावधान किया गया है जहां टिकट चेकिंग व बुकिंग स्टाफ द्वारा यात्रियों को यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है साथ ही यूटीएस ऑन मोबाइल एप के माध्यम से अनारक्षित टिकट के प्रावधानों, इससे होने वाली लाभ एवं इसके प्रयोग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया जा रहा है इस सुविधा से लाभान्वित होने के लिए यात्रियों को अपने इंटरनेट सुविधा वाले मोबाइल फोन के प्ले स्टोर में जाकर ञ्जस्श्वश्व को इंस्टाल करना है, इंस्टाल के पश्चात् अपने मोबाइल नंबर को रजिस्ट्रेशन कराना होता है इसके पश्चात् टिकट बुकिंग हेतु पेपरलेस टिकट विकल्प पर जाकर अनारक्षित टिकट बुक किया जाता है। टिकट के भुगतान हेतु क्र- ड्डड्ढद्यद्दद्ग, क्तक्र कोड, डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग, यू.पी.आई की सुविधा उपलब्ध है । यात्रीगण इसका प्रयोग कर लंबी लाइनों व चिल्हर की समस्या से राहत प्राप्त कर अपनी कीमती समय भी बचा सकते हैं

अवैध मुरूम उत्खनन 1 जेसीबी एवं 6 हाईवा जप्त

- अवैध रेत भंडारण करने पर 7 लोगों पर प्रकरण दर्ज

बिलासपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अवनीश शरण के निर्देश पर बोदरी व तखतपुर तहसील में अवैध खनिज उत्खनन व संग्रहण के खिलाफ ठोस कार्रवाई की गई। अवैध उत्खनन करते हुए एक जेसीबी, छह हाईवा जब्त करने के साथ ही अवैध रेत संग्रहण करने वाले 7 लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। मई माह में अब तक अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन से जुड़े 61 मामलों में 10.80 लाख समझौता शुल्क वसूल किया गया है। खनिज विभाग के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम तेलसरा तहसील बोदरी में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बिल्हा श्री बजरंग वर्मा के नेतृत्व में तहसीलदार बोदरी, नायब तहसीलदार पटवारी एवं कोटवारों के टीम के द्वारा चकरभाठा एयरपोर्ट के आस-पास के क्षेत्रों में अवैध मुरूम उत्खनन के शिकायत प्राप्त होने पर 20 मई की रात 11.30 बजे के आस-पास टीम के द्वारा आकस्मिक जांच की गई, जिसमें ग्राम तेलसरा में अवैध मुरूम उत्खनन करते एक जेसीबी तथा 05 हाईवा जप्त किया गया था तथा अवैध रूप से मुरूम परिवहन करते 01 हाईवा उत्खनन क्षेत्र से अलग रास्ते में जप्त कर थाना चकरभाठा की अभिरक्षा में रखा गया है। उल्लेखनीय है कि एयरपोर्ट के आस-पास के क्षेत्रों में अवैध मुरूम उत्खनन के शिकायत प्राप्त होने पर खनिज अमला द्वारा भी कई बार कार्रवाई की जा चुकी है। विगत एक सप्ताह पूर्व भी राजस्व, खनिज एवं पुलिस की संयुक्त टीम के द्वारा उक्त क्षेत्र की जांच की गई थी जिसमें सफलता नहीं मिल पाई थी। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बिल्हा के द्वारा भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 247 के तहत् प्रकरण दर्ज किया जाकर कलेक्टर बिलासपुर को निराकरण हेतु प्रेषित किया जावेगा। सुश्री ज्योति पटेल, अनुविभागीय

अधिकारी राजस्व तखतपुर, तहसीलदार एवं पटवारियों के साथ ग्राम मोढे तहसील तखतपुर में भी आकस्मिक जांच के दौरान ग्राम मोढे में 20 मई को विभिन्न स्थानों पर अवैध तरीके से खनिज रेत भण्डारित की जानकारी खनिज विभाग को दी गई जिस पर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक बिलासपुर के द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुये खनिज विभाग एवं पुलिस विभाग की टीम को ग्राम मोढे में जाकर तैयार करने हेतु निर्देशित किया गया है। सहायक खनि अधिकारी तथा खनिज विभाग की टीम द्वारा मौका स्थल पर भंडारित खनिज रेत लगभग 813 घनमीटर मात्रा जप्त कर श्री बजरंग धुरी, श्री जुटेल, श्री रूपेश रजक, श्री बिहारी उर्फ ननकी धुरी, लीलाधुरी, श्री बजरंग रजक एवं ग्राम पंचायत मोढ़े के सरपंच कुल 07 लोगों के विरूद्ध अवैध रेत भंडारण का प्रकरण तैयार किया गया है। जिसे ग्राम कोटवार श्री सोनू दास की सुपुदर्गी में रखा गया है तथा एक ट्रेक्टर मय खनिज रेत को भी जप्त थाना तखतपुर की अभिरक्षा में रखा गया है। जप्त खनिज, खनिजमय वाहनों पर खनिज अधिनियम के प्रावधानें/भू-राजस्व संहिता 1959 में उल्लेखित प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जा रही है। खनिज अमला द्वारा राजस्व एवं पुलिस की टीम के द्वारा लगातार विभिन्न क्षेत्रों पर खनिजों के अवैध उत्खन, परिवहन, भंडारण पर कार्यवाही की जा रही है। माह मई-2024 में अब तक अवैध खनिज परिवहन 55 मामले एवं अवैध खनिज उत्खनन 06 मामले दर्ज कर 61 प्रकरणों का निराकरण कर समझौता राशि 1079801 जमा कराया जा चुका है शेष प्रकरणों में निमयानुसार कार्यवाही की जा रही है।

संपादकीय

हकीकत जल्द स्पष्ट होगी

सुप्रीम कोर्ट ने भारत निर्वाचन आयोग से पूछा है कि चुनाव होने के काफी दिनों बाद बढ़ा हुआ मतदान प्रतिशत क्यों जारी किया जा रहा है। इस बात को समझाया जाए। शीर्ष अदालत ने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान आयोग से कहा कि वह 24 मई तक अपना पक्ष रखे। एडीआर ने अपनी याचिका में मांग की है कि आयोग को चुनाव होने के दो दिन के भीतर ही अंतिम आंकड़े जारी करने को कहा जाए। यहीं संशय की स्थिति बनी और विपक्ष ने मतदान के आंकड़े देरी से जारी करने को चुनाव में मुद्दा बना लिया है। दरअसल, एक चरण के अंतिम आंकड़े आने पर एक करोड़ वोट बढ़ जाने से हर कोई चौंका है, और आम मतदाता के गले निर्वाचन आयोग की यह दलील नहीं उतर रही है कि मतदान का प्रतिशत बढ़ जाना सामान्य बात है। निर्वाचन आयोग मतदान के अंतिम आंकड़े जारी कर रहा है, तो मतदान 5-6 प्रतिशत बढ़ा हुआ आ रहा है। एडीआर की याचिका पर राजनीतिक माइलेज लेने की गरज से विपक्ष इस कृत्य को भाजपा के लिए मददगार करार देने में जुट गया है। हालांकि इससे पहले वह ईवीएम के मुद्दे को लेकर भी खासा मुखर हुआ था और ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए शीर्ष अदालत जा पहुंचा था। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में स्पष्ट फैसला देते हुए विपक्ष के इस उपक्रम पर रोक लगा दी तो ईवीएम की विश्वसनीयता पर संदेह करके निर्वाचन आयोग और सत्ता पक्ष को घेरना विपक्ष के लिए मुमकिन नहीं रह गया है। ले-दे के मतदान प्रतिशत के आंकड़े देरी से जारी करने का मुद्दा विपक्ष के सामने बच रहा जिसे वह भुनाने में जुट गया है। हालांकि वह अभी तक प्रभावी तरीके से मतदान प्रतिशत के आंकड़े में विलंब का मुद्दा नहीं उठा पाया है। फिर भी उसकी कोशिश जारी है कि कुछ सरकारी एजेंसियों की तरह संवैधानिक संस्थाओं और निर्वाचन आयोग की स्वायत्तता पर सवाल उठाते हुए उन्हें सरकार का मददगार बताए। मतदाता को चुनाव में लेवल प्लेइंग फील्ड न होने का यकीन दिला कर उसकी हमदर्दी हासिल करे। यदि सफल रहता है तो उसे अपने पक्ष में ज्यादा मतदान करा ले जाने की संभावना दिखलाई पड़ रही है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने एडीआर की याचिका पर जो व्यवस्था दी है, उससे लगता है कि मतदान प्रतिशत के आंकड़ों में देरी की हकीकत जल्द स्पष्ट होगी।

चाबहार बंदरगाह पर रिश्तों के जहाज

विवेक काटजू

चाबहार बंदरगाह को लेकर भारत और ईरान के बीच हुआ ताजा समझौता काफी अहम है। यह आपसी रिश्ते को तो नई ऊंचाई देगा ही, 'कनेक्टिविटी' की दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। दोनों देशों के संबंधित मंत्रियों की मौजूदगी में इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल), जो भारत की एक सार्वजनिक कंपनी है और ईरान के बंदरगाह एवं समुद्री संगठन के बीच यह तय हुआ है कि शाहिद बेहेश्ती बंदरगाह-चाबहार के आधुनिकीकरण में भारतीय कंपनी अगले 10 साल में लगभग 37 करोड़ डॉलर खर्च करेगी और उसका प्रबंधन व संचालन भी करेगी। इस रकम में से करीब 12 करोड़ डॉलर की धनराशि बुनियादी ढांचे के विकास में निवेश की जाएगी, जबकि शेष 25 करोड़ डॉलर बतौर कर्ज ईरान को दिया जाएगा। चाबहार बंदरगाह को विकसित करने की भारतीय मंशा दशकों पुरानी है। यह बंदरगाह ईरान के दक्षिण-पूर्वी तट पर है, जहां से अफगानिस्तान-ईरान सीमा पर स्थित जरांज शहर के जरिये दक्षिणी अफगानिस्तान का पूरा फलक खुल जाता है। आज से 22 साल पहले 2002 में ही वाजपेयी सरकार ने दूरंदेशी दिखाते हुए जरांज से दिलाराम तक सड़क बनाने में अफगानिस्तान की मदद की थी। यह सड़क चाबहार से अफगानिस्तान और अफगानिस्तान के जरिये मध्य एशिया, आगे रूस व यूरोपीय देशों के लिए रास्ता खोलती है। इसके साथ-साथ, ईरान की सहभागिता वाला अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा भी भारत के वाणिज्यिक हितों को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका अदा करेगा। हमें भूलना नहीं चाहिए कि पाकिस्तान अपने पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान के जरिये अफगानिस्तान का मार्ग हमारे निर्यात के लिए कभी नहीं खोलेगा, जबकि इस्लामाबाद व बीजिंग की मंशा अफगानिस्तान को चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे से जोड़ने की भी है, जिसकी कड़ी ग्वादर बंदरगाह से जुड़ी है। ऐसे में, आर्थिक और

वाणिज्यिक नजरिये से स्वाभाविक ही चाबहार बंदरगाह का विकास हमारे हित में है। इससे हमारा सामरिक हित भी जुड़ा हुआ है। शाहिद बेहेश्ती बंदरगाह-चाबहार पर समझौते के बाद अमेरिकी प्रवक्ता ने कहा है कि ईरान से सहयोग करने वालों को वे अमेरिकी प्रतिबंध याद रखने चाहिए, जो वाशिंगटन ने तेहरान पर लगा रखे हैं। अभी हमें यह नहीं पता कि अमेरिकी प्रवक्ता की यह प्रतिक्रिया बस औपचारिक थी या फिर अमेरिकी प्रशासन ने चाबहार की अपनी नीति बदल ली है? दरअसल, 2016 में जब भारत और ईरान के बीच चाबहार को लेकर एक समझौता हुआ था, तब प्रतिबंधों के बावजूद अमेरिका ने यह एलान किया था कि चाबहार के विकास के लिए दिया जाने वाला भारतीय सहयोग प्रतिबंध के दायरे से बाहर रहेगा। लिहाजा, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ठीक ही कहा है कि चाबहार के सहयोग को संकीर्ण नजरिये से नहीं देखना चाहिए, क्योंकि इसका सकारात्मक प्रभाव पूरे क्षेत्र पर पड़ेगा। यह भी मुमकिन है कि भारत और अमेरिका की इस मसले पर परदे के पीछे बातचीत हुई हो, क्योंकि अमेरिकी प्रवक्ता के बयान में तल्खी नहीं थी। संभावना यह भी है कि घरेलू दबाव के चलते अमेरिका ने यह बयान दिया हो, क्योंकि इस साल वहां पर राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है और बाइडन प्रशासन ने ईरान के प्रति काफी कड़ा रुख अपनाया है। बहरहाल, ईरान पश्चिम एशिया का एक बड़ा देश है। भारत के साथ उसके राजनीतिक संबंध और आधुनिक काल में, विशेषकर ऊर्जा के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग दोनों देशों के लिए लाभदायक रहे हैं। हालांकि, सच यह भी है कि अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते कई भारतीय कंपनियों ने ईरान से दूरी बनाए रखी थी। वे वहां निवेश करने से तो बचती ही थीं, ईरानी कंपनियों के साथ साझेदारी से भी हिचकती थीं, क्योंकि उनको डर था कि ऐसा करने से अमेरिकी कंपनियों से उनका रिश्ता या अमेरिका में उनका संचालन प्रभावित हो सकता है। भारत सरकार ने भी ईरान के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने में अमेरिकी प्रतिबंधों को ध्यान में रखा है। हां, चाबहार समझौता एक अपवाद रहा। आज भी भारत-ईरान के आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों में अमेरिकी प्रतिबंधों का नकारात्मक प्रभाव हम आसानी से देख सकते हैं, क्योंकि भारत के चहुंमुखी हित ईरान की तुलना में अमेरिका से कहीं अधिक जुड़े हैं। फिर भी, इसका यह मतलब नहीं कि तेहरान और नई दिल्ली अपने रिश्ते आगे न बढ़ाएं। कुछ न कुछ रास्ता तो ढूंढ़ना ही पड़ता है और यही कूटनीति की चुनौती भी होती है कि एक बड़ी शक्ति अमेरिका के प्रतिबंधों से कैसे निपटा जाए? इस पूरे मसले का एक पहलू यह भी है कि भारत के पश्चिम एशियाई देशों से गहरे हित जुड़े हैं। सामरिक और सुरक्षा के नजरिये से इजरायल नई दिल्ली के लिए अहम है, तो खाड़ी के देश हमारी ऊर्जा-सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। अरब देशों के साथ हमारा व्यापारिक संबंध काफी मजबूत है और लाखों भारतीय वहां काम करते हैं, जिनके द्वारा स्वदेश भेजी गई रकम हमारी अर्थव्यवस्था को फायदा पहुंचाती है। भारत की पारंपरिक नीति यही थी कि वह पश्चिम एशिया की अंदरूनी राजनीति से दूर रहे। यहां के हरेक देश के साथ वह अपने संबंध आगे बढ़ाता रहा है। मगर बीते कुछ वर्षों से इस नीति में बदलाव देखने को मिल रहा है। जिस तरह से अमेरिका ने खाड़ी के कुछ देशों, खासकर यूएईके साथ इजरायल के रिश्ते बढ़ाने में परदे के पीछे से मदद की, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी यूएई के सदर और अबू धाबी के शासक मोहम्मद बिन जायेद से अपने निजी रिश्ते भी मजबूत किए हैं। कुछ महीने पहले प्रधानमंत्री ने अमीरात का सफल दौरा भी किया था, जब वहां एक भव्य मंदिर का उद्घाटन हुआ था। स्वाभाविक है, इन घटनाओं को तेहरान में तीखी नजर से देखा जा रहा हो? ऐसे में, हम यह कह सकते हैं कि ताजा समझौते के जरिये भारत ने ईरान और इस क्षेत्र को एक संकेत दिया है कि वह अपनी पश्चिम एशिया की नीति में संतुलन बनाना चाहता है, जो उचित भी है। उल्लेखनीय है कि ऐसे समझौते अमूमन चुनाव के बीच नहीं होते हैं। मगर इसका दूसरा पहलू यह है कि ईरान को विश्वास है, भारत और उसके हित को हर भारतीय सरकार आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। इतना ही नहीं, वह यह भी जानता है कि भारत की नजर चीन-ईरान-पाकिस्तान रिश्तों पर भी रहती है और ईरान जैसे महत्वपूर्ण देश में चीन और पाकिस्तान को भारत खुली छूट नहीं दे सकता है।

विशेष लेख

ईधन दम घोंट रहा

राजधानी दिल्ली की हवा में इन दिनों अजब किस्म का जहर घुल रहा है। अजब इसलिए कि जिस ईधन से वाहनों को चलाना सुरक्षित घोषित किया गया था, अब वही ईधन दम घोंट रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंतणप्रबोर्ड(सीपीसीबी) के ताजे एयर बुलेटिन के अनुसार दिल्ली का एक्यूआई 224 है और इस बार हवा का मिजाज बिगड़ने का अकारण नाइट्रोजन डाई आक्साईड (एनओ 2) का आधिक्य है। एनओ-2 की हवा में मौजूदगी कार्बन डाईआक्साइड से भी अधिक घातक होती है। सीपीसीबी का आकलन है कि एनओ 2 की मात्रा बढ़ने का कारण सीएनजी वाहनों से निकलने वाली रासायनिक गैस हैं। दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित रखने के तंत्र ने महज पीएम 2.5 और 10 को नियंत्रित करने की कोशिशें की और इसके लिए सीएनजी वाहनों की संख्या इतनी हो गई कि अब काला धुएं की जगह अदृश्य धुआं इंसानों के जीवन का दुश्मन बना है। जुलाई-21 में जारी की गई रिपोर्ट 'बिहाइंड द स्मोक स्क्रीन = सैटेलाइट डाटा रिवील एयर पॉल्यूशन इन्क्रीज इन इंडियाज एट मोस्ट पॉपुलस स्टेट कैपिटल्स' में चेतावनी दे गई थी कि साल दर साल दिल्ली सहित देश के कई बड़े शहरों में नाइट्रोजन ऑक्साइड की मात्रा में इजाफा हो रहा है। सेटेलाइट डाटा विश्लेषण के आधार पर ग्रीनपीस इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल 2020 की तुलना में अप्रैल 2021 में दिल्ली में नाइट्रोजन ऑक्साइड की मात्रा 125 फीसद तक ज्यादा रही। ग्रामीण क्षेत्रों में तो नाइट्रोजन ऑक्साइड के बढ़ने के कारण खेती में अंधाधुंध रासायनिक खाद का इस्तेमाल, मवेशी पालन आदि होता है, लेकिन बड़े शहरों में इसका मूल कारण निरापद या ग्रीन फ्यूल कहे जाने वाले सीएनजी वाहनों का उत्सर्जन है। जान लें नाइट्रोजन की ऑक्सीजन के साथ मिल कर बनीं गैसें-जिन्हें 'आक्साईड आफ नाइट्रोजन' कहते हैं, मानव जीवन और पर्यावरण के लिए उतनी ही नुकसानदेह हैं जितना कार्बन आक्साईड या मोनो आक्साइड। यूरोप में हुए शोध बताते हैं कि सीएनजी वाहनों से निकलने वाले नेनो मीटर (एनएम) आकार के बेहद बारीक कण कैंसर, अल्जाइमर, फेफड़ों के रोग का खुला न्योता हैं। पूरे यूरोप में इस समय सुरक्षित ईधन के रूप में वाहनों में सीएनजी के इस्तेमाल पर शोध चल रहे हैं। विदित हो यूरो-6 स्तर के सीएनजी वाहनों के लिए भी कण उत्सर्जन की कोई अधिकतम सीमा तय नहीं है और इसी लिए इससे उपज रहे वायु प्रदुषण और उसके इंसान के जीवन पर कुप्रभाव और वैश्विक पर्यावरण को हो रहे नुक्सान को नजरअंदाज किया जा रहा है। जान लें पर्यावरण मित्र कहे जाने वाले इस ईधन से बेहद सूक्ष्म लेकिन घातक 2. 5 एनएम (नेनो मीटर) का उत्सर्जन पेट्रोल-डीजल वाहनों की तुलना में 100 से 500 गुना अधिक है।खासकर शहरी यातायात में जहां वाहन बहुत धीरे चलते हैं, भारत जैसे चरम गर्मी वाले परिवेश में सीएनजी वाहन उतनी ही मौत बांट रहे हैं जितनी डीजल कार-बसें नुकसान कर रही थी बस कार्बन के बड़े पार्टकिल कम हो गए हैं। यह सच है कि सीएनजी वाहनों से अन्य ईधन की तुलना में पार्टकुिलेट मेटर 80 फीसद और हाइड्रो कार्बन 35 प्रतिशत कम उत्सर्जित होता है, लेकिन इससे कार्बन मोनो आक्साइड उत्सर्जन पांच गुना अधिक है। शहरों में स्मोग और वातावरण में ओजोन परत के लिए यह गैस अधिक घातक है।परिवेश में 'आक्साईड आफ नाइट्रोजन 'गैस अधिक होने का सीधा असर इंसान के स्वशन तंत्र पर पड़ता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंतणप्रबोर्ड के 2011 के एक अध्ययन में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि सीएनजी पर्यावरणीय कमियों के बिना नहीं है, यह कहते हुए कि सीएनजी जलाने से संभावित खतरनाक कार्बोनिल उत्सर्जन की उच्चतम दर पैदा होती है। अध्ययन से पता चला था कि रेट्रोफिटेड सीएनजी कार इंजन 30 प्रतिशत अधिक मीथेन उत्सर्जित करते हैं। ब्रिटिश कोलंबिया विविद्यालय के एक अध्ययन में कॉनर रेनॉल्ड्स और उनके सहयोगी मिलिंद कांडलीकर ने वाहनों में सीएनजी इस्तेमाल के कारण ग्रीनहाउस गैसों कार्बन डाईआक्साइड और मीथेन के प्रभावों पर शोध किया तो पाया कि इस तरह के उत्सर्जन में 30 प्रतिशत की वृद्धि है। यह जान लें कि सीएनजी भी पेट्रोल-डीजल की तरह जीवाश्म ईधन ही है। यह भी स्वीकार करना होगा कि ग्रीनहाउस गैसों की तुलना में एरोसोल (पीएम) अल्पकालिक होते हैं, उनका प्रभाव अधिक क्षेत्रीय होता है और उनके शीतलन और ताप प्रभाव की सीमा अभी भी काफी अनिश्चित है। सीएनजी से निकली नाइट्रोजन आक्साईड अब मानव जीवन के लिए खतरा बन कर उभर रही है। दुर्भाग्य है कि हम आधुनिकता के जंजाल में उन खतरों को पहले नजरअंदाज करते हैं जो आगे चल कर भयानक हो जाते हैं। जान लें प्रकृति के विपरीत ऊर्जा, हवा, पानी किसी का भी कोई विकल्प नहीं हैं। नैसर्गिकता से अधिक पाने का कोई भी उपाय इंसान को दुख ही देगा ।

अब लोगों का विश्वास जीतकर आगे बढ़ेंगे

एसबी चव्हाण

उन सभी माननीय सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहिए, जिन्होंने इस चर्चा में भाग लिया और बहुत ही महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इसके बारे में हम बाद में विचार करेंगे कि वे कहां तक व्यावहारिक होंगे।... यह कहने में कोई इनकार नहीं है कि अधिकारी, कर्मचारी और अन्य लोग दबाव एवं जोर जबर्दस्ती में काम कर रहे हैं। वहां बंदूक का डर है, बंदूक की नोक पर किसी विशेष परियोजना पर धन व्यय किया जा रहा है। मुझे इसमें भी कोई आश्चर्य नहीं होगा, यदि उन्हें अपने धन का दस प्रतिशत, बीस प्रतिशत या तीस प्रतिशत देने को कहा जाता होगा। ...इस डर के कारण ही संभवत: वे अपना कर्तव्य पालन सही प्रकार से नहीं कर पा रहे हैं। यद्यपि दिल से वे उसे करना चाहते हैं, किंतु कदाचित बंदूक की नोक पर उन्हें ऐसा करने से रोका जा रहा है। अत: हमें वातावरण तैयार करना होगा। उन्होंने हड़ताल का आवाहन किया था और वह पूरी तरह सफल रही, उनमें इससे पहले ऐसा साहस कभी न था। ...यह तथ्य बहुत ही महत्वपूर्ण है कि हुर्रियत के लोगों ने भी हड़ताल का आवाहन किया है। इससे स्पष्टत: पता चलता है कि आंदोलन उनके काबू से बाहर हो गया है, अब इसका नियंत्रण स्थानीय उग्रवादियों द्वारा नहीं किया जा रहा है, अपितु ये विदेशी टट्टू हैं, जो वास्तव में समग्र स्थिति पर नियंत्रण रखे हुए हैं और मेरे विचार से उन पर दया दिखाने की कोई जरूरत नहीं है। ...मुझे इसमें कोई संदेह नहीं कि इस प्रयोजन के लिए सरकार को हर प्रकार का सहयोग मिलेगा। ... सर्वप्रथम तो हमें यह करना होगा, जिससे वहां यथासंभव सामान्य स्थिति बन सके। हम लोगों को पूरी तरह से स्पष्ट होना चाहिए। मैं सभा को विश्वास में लेना चाहूंगा। यदि लोग सोचते हैं कि हम यह हिंसा रोक सकते हैं और चुनाव करवा सकते हैं, तो ऐसा नहीं है, क्योंकि पाकिस्तान इस स्थिति को पैदा करने में लगा हुआ है कि हम चुनाव न करवा पाएं। पाकिस्तान ने इन सभी आतंकवादी संगठनों को यही हिदायत दी है और निश्चित ही हम पाकिस्तान पर अनुग्रह नहीं करना चाहते हैं। वस्तुत: इस तरह के खतरों के रहते हम चाहते हैं कि चुनाव कराए जाएं, मतदान की प्रतिशतता कम होगी, किंतु यही एक समाधान है। मैं नहीं समझता कि कोई भी अन्य समाधान अंतिम समाधान हो सकता है। यदि एक समाधान है, तो वह यही है, जिसमें हम घाटी, जम्मू क्षेत्र और लद्दाख क्षेत्र में कोई भेदभाव किए बिना कश्मीर के लोगों को विश्वास में ले सकते हैं। संविधान का अनुच्छेद 370 हर समय कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं कर सकता है। मैंने सरकार की स्थिति बिल्कुल स्पष्ट कर दी है कि हम इस अनुच्छेद 370 को तब तक नहीं हटाएंगे, जब तक कि कश्मीर के लोग यह नहीं कहते कि वे इस अनुच्छेद 370 को नहीं चाहते और इसे हटा दिया जाए। तब तक यदि हम अनुच्छेद 370 पर एकपक्षीय निर्णय लेते हैं, तो हम व्यर्थ ही उन लोगों को एक और अवसर देंगे, जो उस क्षेत्र के लोगों को गुमराह करना चाहते हैं। मुझे विश्वास है कि उन्हें अधिक अवसर प्राप्त होंगे और वे भारत के लोकतांत्रिक ढांचे में पूर्णत: भाग लेंगे। वे भारत के विरुद्ध कभी नहीं थे और दूसरी ओर, पंडित नेहरू ने ठीक ही कहा था कि कश्मीर हमारी धर्मनिरपेक्ष राजनीति का प्रतीक है और यदि किसी भी हालत में कश्मीर को पृथक करना पड़ता है, तो इस देश में धर्मनिरपेक्षता के बारे में बात करने का हमें कोई अधिकार नहीं है। हम कश्मीर को भारत से कभी जुदा न होने देंगे और इस सभा के सभी सदस्यों से हमारा यह वादा है।अत: हमें वातावरण तैयार करना होगा। उन्होंने हड़ताल का आवाहन किया था और वह पूरी तरह सफल रही, उनमें इससे पहले ऐसा साहस कभी न था। ...यह तथ्य बहुत ही महत्वपूर्ण है कि हुर्रियत के लोगों ने भी हड़ताल का आवाहन किया है। इससे स्पष्टत: पता चलता है कि आंदोलन उनके काबू से बाहर हो गया है, अब इसका नियंत्रण स्थानीय उग्रवादियों द्वारा नहीं किया जा रहा है, अपितु ये विदेशी टट्टू हैं, जो वास्तव में समग्र स्थिति पर नियंत्रण रखे हुए हैं और मेरे विचार से उन पर दया दिखाने की कोई जरूरत नहीं है। ...मुझे इसमें कोई संदेह नहीं कि इस प्रयोजन के लिए सरकार को हर प्रकार का सहयोग मिलेगा। ... सर्वप्रथम तो हमें यह करना होगा, जिससे वहां यथासंभव सामान्य स्थिति बन सके। हम लोगों को पूरी तरह से स्पष्ट होना चाहिए। मैं सभा को विश्वास में लेना चाहूंगा। यदि लोग सोचते हैं कि हम यह हिंसा रोक सकते हैं और चुनाव करवा सकते हैं, तो ऐसा नहीं है, क्योंकि पाकिस्तान इस स्थिति को पैदा करने में लगा हुआ है कि हम चुनाव न करवा पाएं। यदि लोग सोचते हैं कि हम यह हिंसा रोक सकते हैं और चुनाव करवा सकते हैं, तो ऐसा नहीं है, क्योंकि पाकिस्तान इस स्थिति को पैदा करने में लगा हुआ है कि हम चुनाव न करवा पाएं। पाकिस्तान ने इन सभी आतंकवादी संगठनों को यही हिदायत दी है और निश्चित ही हम पाकिस्तान पर अनुग्रह नहीं करना चाहते हैं। वस्तुत: इस तरह के खतरों के रहते हम चाहते हैं कि चुनाव कराए जाएं, मतदान की प्रतिशतता कम होगी, किंतु यही एक समाधान है। मैं नहीं समझता कि कोई भी अन्य समाधान अंतिम समाधान हो सकता है। यदि एक समाधान है, तो वह यही है, जिसमें हम घाटी, जम्मू क्षेत्र और लद्दाख क्षेत्र में कोई भेदभाव किए बिना कश्मीर के लोगों को विश्वास में ले सकते हैं। संविधान का अनुच्छेद 370 हर समय कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं कर सकता है। पाकिस्तान ने इन सभी आतंकवादी संगठनों को यही हिदायत दी है और निश्चित ही हम पाकिस्तान पर अनुग्रह नहीं करना चाहते हैं। वस्तुत: इस तरह के खतरों के रहते हम चाहते हैं कि चुनाव कराए जाएं, मतदान की प्रतिशतता कम होगी, किंतु यही एक समाधान है। मैं नहीं समझता कि कोई भी अन्य समाधान अंतिम समाधान हो सकता है। इस सभा के माध्यम से हम पूरे देश को यह संदेश देना चाहते हैं कि कश्मीर भारत का एक अभिन्न अंग है और इस मामले पर कोई समझौता नहीं हो सकता है।

पाकिस्तानी कब्जे में नाराज कश्मीरी

सुशांत सरीन

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के दिन-ब-दिन बिगड़ते हालात किसी एक घटना की उपज नहीं हैं। अभी वहां जो जन-विद्रोह चल रहा है, उसके बीज पिछले डेढ़ साल के घटनाक्रमों में छिपे हैं। पिछले साल की शुरुआत में सब्सिडी हटाने के कारण आटे के दाम अप्रत्याशित रूप से बढ़ गए थे, तब भी लोग आक्रोशित हुए थे। मगर स्थिति जैसे-तैसे संभाल ली गई। इसके बाद मई के आसपास बिजली के बिल को लेकर वे मुखर हुए। उनका आरोप था कि पीओके में बना मंगला बांध 1,500-2,000 मेगावाट बिजली पैदा करता है और उत्पादन-दर ढाई से तीन रुपये प्रति यूनिट है, पर उपभोक्ताओं से 50-60 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली बिल वसूला जाता है। इस आंदोलन ने पूरे पाकिस्तान को उद्वेलित कर दिया और बिजली-शुल्क में कटौती की मांग मुल्क के हर कोने से उठने लगी। इसे भी पाकिस्तानी हुक्मरानों ने बड़ी मुश्किलों से संभाला, लेकिन लोगों में गुस्सा बना रहा। पीओके के अवाम की इस नाराजगी को अवामी एक्शन कमेटी ने आकार दिया। यह कोई सियासी तंजीम नहीं है, बल्कि इसमें सिविल सोसाइटी के लोग हैं। वास्तव में, पीओके में नेताओं के लिए अब कोई जगह बची ही नहीं। यहां मुख्यधारा के राजनीतिक दल तो अप्रासंगिक हैं ही, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ में तोड़-फोड़ के बाद यहां एक खिचड़ी सरकार काम कर रही है, जिसकी हैसियत न इस्लामाबाद में है और न स्थानीय लोगों के मन में। अवामी एक्शन कमेटी की मांग ऐसे में प्रासंगिक बन गई। उसने आटे और बिजली-बिल के साथ-साथ कुछ राजनीतिक मुद्दों को भी अपने चार्टर में जगह दी। छात्र संघों की पुनर्बहाली, सरकारी अफसरों या निर्वाचित प्रतिनिधियों को मिलने वाली सुविधाओं का अंत, चुनाव, संपत्ति टैक्स आदि मसलों को भी इसने उठाया। हालांकि, उसका मुख्य जोर आटा और

बिजली बिल पर ही रहा, इसलिए माना जाता है कि ताजा विरोध-प्रदर्शन आर्थिक मुद्दों से जुड़ा है और यदि हुकूमत महंगाई का तोड़ निकाल लेती है, तो हालात संभल सकते हैं। मगर इस पूरे मामले में जो बात अलग से नजर आई, वह है लोगों का आक्रोश। यह संभवत: पहला मौका था कि वे इस कदर नाराज हुए। राजधानी मुजफ्फराबाद तक निकाले गए 'लॉन्ग मार्च' को रोकने के फौजी उपायों ने इस आग में घी डालने का काम किया। इसीलिए हमने पुलिस वालों की पिटाई देखी, सड़कों पर यातायात अवरुद्ध होते देखा और सरकार-विरोधी नारेबाजी सुनी। बेशक, स्थानीय सुरक्षा बलों का खौफ आम लोगों में पहले भी नहीं था, मगर इस्लामाबाद के रेंजर्स से वे टकराते नहीं थे। मगर इस बार रेंजर्स से भी प्रदर्शनकारियों ने दो-दो हाथ किए। एक तर्क यह दिया जा रहा है कि पीओके की नई पीढ़ी अपने बुजुर्गों की तरह नहीं सोचती। दरअसल, पुराने जमाने के कश्मीरी पाकिस्तान के अधीन रहना पसंद करते हैं, पाकिस्तानी पंजाबियों के इशारे पर चलते हैं, कभी आवाज नहीं उठाते और भारत को अपना दुश्मन समझते हैं, मगर वहां के नौजवान पीओके का वाजिब हक लेने के लिए मुखर हैं। पाकिस्तान सरकार के प्रति भी उनका नजरिया अलग है और वे मानते हैं कि टैक्स लेने के बावजूद संसदीय प्रतिनिधित्व से उनको दूर रखना गलत है। इस पीढ़ी को भारत के जम्मू-कश्मीर का विकास भी लुभाता है। पाकिस्तान में 'कश्मीर' को कोई सांविधानिक दर्जा हासिल नहीं है। अपने यहां भी अनुच्छेद 370 था, पर हमने हमेशा जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग माना है, जबकि पाकिस्तान में पीओके को लेकर ऐसी सोच नहीं है। उसके मुताबिक, यह ऐसा क्षेत्र है, जिसकी स्थिति स्पष्ट नहीं है और इसका निर्धारण 'यूएन रिजॉल्यूशन' या संयुक्त राष्ट्र की दखल से होगा। यहां का अपना संविधान है, मगर उसका पाकिस्तान से सांविधानिक जुड़ाव नहीं है। यहां आर्थिक गतिविधियां नाममात्र की हैं, रोजगार के साधन सीमित हैं। हां, पाकिस्तान का इस पर नियंत्रण है, इसलिए यहां चुनाव कराए जाते हैं और लोगों को पासपोर्ट दिया जाता है, पर उनको पाकिस्तान की नागरिकता नहीं मिलती। यहां के लोग नेशनल असेंबली (संसद) के लिए वोट नहीं कर सकते और न ही ऊपरी सदन में उनका कोई नुमाइंदा है। नेशनल फाइनेंस कमीशन का कुछ हिस्सा इसको जरूर मिलता है, पर इसमें भी इसका अमल-दखल नहीं है। यही कारण है कि मौजूदा हालात संभाल लिए जाने के बावजूद कहा जा रहा है, पीओके के लोग कोई भी रुख अख्तियार कर सकते हैं। वैसे, पाकिस्तान के सभी सरहदी इलाकों में ऐसा हो रहा है, फिर चाहे वह बलूचिस्तान हो, खैबर पख्तूनख्वा हो या गिलगित-बाल्टिस्तान। सभी क्षेत्रों में पाकिस्तानी हुक्मरानों से नाउम्मीदी दिख रही है और रियासत से अवाम का सामाजिक रिश्ता टूट रहा है। लिहाजा, जैसे-जैसे रियासत कमजोर होगी, इस तरह के आंदोलन तेज हो सकते हैं। चूंकि पीओके में हुकूमत ने घुटने टेक दिए हैं, इसलिए इसका यह संदेश भी जा सकता है कि अगर बड़ी संख्या में लोग घरों से बाहर निकल सकें, तो अपनी बात मनवा सकते हैं। ऐसा कभी इमरान खान ने भी कहा था कि हम 30-35 हजार लोग यदि सड़कों पर आ जाएं, तो पाकिस्तानी जनरलों की सलवारें गीली हो जाएंगी। जाहिर है, अलग-अलग इलाकों में चल रहा आंदोलन पाकिस्तान की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था को ध्वस्त कर सकता है। यहां चुनौती भारत के लिए भी है। अगर पीओके में हालात बहुत बिगड़ते हैं ।और लोगों का पलायन भारतीय कश्मीर में होता है, तो उनके साथ हमारी सत्ता क्या बर्ताव करेगी? क्या 'राइट टु रिटर्न' यानी उनको वापस भेजने का कोई कानूनी प्रावधान हमारे यहां है? इतना ही नहीं, पाक अधिकृत कश्मीर को हम अपना हिस्सा मानते हैं, तो वहां के नागरिकों के साथ हमारा सुलूक क्या होगा या उनको क्या अधिकार दिए जाएंगे? और, अगर वहां के लोग भारत के साथ जुड़ने की मांग शुरू करते हैं, तो किस तरह हम उन्हें मदद कर सकेंगे? क्या भारत वहां कोई कार्रवाई करेगा या वहां के अलगाववादियों की सहायता करेगा या हाथ पर हाथ धरे बैठ जाएगा- यह भी हमारी एक अन्य चुनौती होगी।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, गुरुवार 23 मई 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

धर्म से कर्म नष्ट होते हैं जिनालय और संत समागम से धर्म प्राप्त होता हैं : आर्यिका श्री दिव्यांशु मति जी

बांसवाड़ा (विश्व परिवार)। प्रथमाचार्य चारित्रचक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की मूल बाल ब्रह्मचारी पट्ट परंपरा के

पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधी आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज अपने संघ सहित कमर्शियल कॉलोनी बांसवाड़ा में विराजित है। दिगंबर मंदिर जिनालय में आयोजित बांसवाड़ा में जन्मी नगर गौरव आर्यिका श्री दिव्यांशु मति माताजी ने प्रवचन में बताया कि आप सभी को मानव जन्म पूर्व संचित पुण्य कारण मिला हैं इस भव जन्म में जो कार्य करेंगे उसका फल अगले भव में मिलेगा। समाज प्रवक्ता हिमांशु ने बताया कि माताजी ने धर्म की विवेचना में बताया कि धर्म प्रतिदिन भगवान के दर्शन, अभिषेक, पूजन, भक्ति स्वाध्याय संत समागम से होता हैं धर्म से कर्म नष्ट होते हैं जिनालय में भगवान के दर्शन करते समय यह भावना करना चाहिए कि आपके गुण हमे भी प्राप्त हो भगवान की पूजन करते समय जन्म जरा के नाश, संसार के कष्ट दूर करने, अक्षय पद प्राप्त करने, क्षुधा रोग के नाश, मोह कर्मो के नाश करने हेतु भक्ति श्रद्धा पूर्वक पूजन करना चाहिए।दिनेश बखारिया, मांगीलाल कोठरी, सुरेश दोसी, जितेंद्र सेठ ने बाहर से पधारे भक्तो का स्वागत कर बहुमान किया। **-राजेश पंचोंलिया**

भावना योग : समर कैंप में चल रहे हैं ऑनलाइन सेशन

रायपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय तारण तरण महिला परिषद द्वारा आयोजित समर कैंप में 7 और 8 मई को भावना योग

शिविर का अयोजन किया गया, जिसमें सभी ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। करीब 2 घंटे तक चलने वाले इस शिविर में परम पूज्य गुरुवर श्री प्रमाण सागर महाराज जी द्वारा प्रदत्त भावना योग से जुड़े सिद्धांतों का विस्तार से वर्णन श्रीमती सीमा जैन सीतापुर, श्रीमती नीलम जैन भोपाल एवम श्रीमती श्वेता जैन भोपाल द्वारा किया गया। इसमें भावना योग से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी एवम लाभों के बारे में बताया गया। भावना योग का विशेष अभ्यास करवाया गया जिसमें लोगो के अनुभवों का भी समावेश किया गया। भावना योग अपने तन को स्वस्थ, मन को मस्त और अपनी आत्मा को प्रशस्त बना कर अपने जीवन को खुशहाल बनाने का अद्भुत और अभिनव एवम अनुपम योग है जिसके प्रयोग से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है। निशा जैन और मिनी जैन भोपाल के नेतृत्व में संचालित इस कैंप में महिलाओं के लिए विभिन्न उपयोगी गतिविधियों को सिखाया जा रहा है।

बुद्ध जयंती पर्व 23 को रायपुर नगर पालिक निगम के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में मांस बिक्री पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगी

रायपुर (आरएनएस)। नगर पालिक निगम रायपुर के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में बुद्ध जयंती पर्व दिनांक 23 मई 2024 गुरूवार को मांस बिक्री पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगी। इस सम्बन्ध में छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आदेश के परिपालन में रायपुर नगर पालिक निगम के स्वास्थ्य विभाग की ओर से बुद्ध जयंती पर्व दिनांक 23 मई 2024 गुरूवार को रायपुर नगर पालिक निगम के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में स्थित पशुवध गृह एवं समस्त मांस बिक्री दुकानों को बंद रखे जाने का आदेश जारी किया गया है। बुद्ध जयंती पर्व दिनांक 23 मई 2024 गुरूवार को किसी भी दुकान में मांस बिक्री करते पाये जाने पर मांस जप्त करने की कार्यवाही की जायेगी और सम्बंधित व्यक्ति के विरूद्ध यथोचित कार्यवाही भी की जायेगी। बुद्ध जयंती पर्व दिनांक 23 मई 2024 गुरूवार को नगर पालिक निगम रायपुर के सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारीगण, जोन स्वच्छता निरीक्षकगण मांस बिक्री पर छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रतिबन्ध आदेश का परिपालन सुनिश्चित करवाने अपने -अपने सम्बंधित जोन क्षेत्रों में सतत पर्यवेक्षण करेंगे।

मनुष्य अनादि काल से सुख की खोज में भटक रहा है : मुनि श्री सुधासागर जी महाराज

श्रमण संस्कृति शिक्षण शिविर का ध्वजारोहण के साथ हुआ शुभारंभ

दमोह (विश्व परिवार)। निर्यापक मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज निर्यापक मुनि श्री प्रसाद सागर जी निर्यापक मुनि श्री वीर सागर जी एवं मुनि संघ के मंगल सानिध्य में दिनांक 22 से 28 तक आयोजित होने वाले श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर का शुभारंभ आज प्रातः ध्वजारोहण के साथ हुआ ध्वजारोहण का सौभाग्य अरविंद इटोरिया परिवार को प्राप्त हुआ शिविर के आयोजन हेतु मुख्य कलश की स्थापना करने का सौभाग्य दिल्ली के वीरेंद्र जैन मोतीलाल जैन परिवार को प्राप्त हुआ।

दमोह के इतिहास में प्रथम बार शिक्षण शिविर का आयोजन मुनि संघ के मंगल सानिध्य में बहुत उत्साह एवं उमंग के साथ प्रारंभ हुआ जिसमें बड़ी संख्या में पुरुष महिलाएं एवं बच्चे सम्मिलित हुए इसमें प्रातः काल 5 से 6 बजे आचार्य भक्ति हुई प्रातः 6 से 7 शिविर की कक्षाएं प्रारंभ हुई जिसमें निर्यापक मुनि श्री वीर सागर महाराज जी के द्वारा जीवन जीने की कला एवं गंभीर सागर जी महाराज के द्वारा छहडाला की क्लास ली गई प्रातः 7 से 8:00 बजे निर्यापक मुनि श्री प्रसाद सागर जी महाराज के द्वारा रतनकरंड श्रावकाचार मुनि श्री पदम सागर जी के द्वारा इष्टउपदेश मुनि श्री शीतल सागर जी महाराज के द्वारा तत्वार्थ सूत्र की क्लास ली गई जिसे बड़ी एलइडी स्क्रीन पर बहुत प्रभावशाली ढंग से चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित भी किया गया उसके पश्चात 8 बजे से 9:30 बजे तक निर्यापक मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज के द्वारा भक्तांबर जी पर मंगल प्रवचन हुए उसके बाद उनके द्वारा दोपहर में 2:30 बजे से 4:30 तक गोमटसार की कक्षा ली गई 5:00 से आचार्य भक्ति के पश्चात साइ 6 बजे से जिज्ञासा समाधान के पश्चात छुल्लक जी के मंगल प्रवचन हुए प्रवचन के पश्चात 8 बजे से बच्चों की कैरियर काउंसलिंग प्रतियोगिताएं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए तत्पश्चात रात्रि में 9 से 10 बजे छहढाला की क्लास विद्वानों के द्वारा ली गई।

शिविर के प्रातः काल में निर्यापक मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज ने कहा कि मनुष्य के जीवन में विषमता बनी रहती है कभी वह दुखी कभी सुखी होता है एक समान उसका जीवन सुखमय नहीं रह पाता इसी जिज्ञासा के समाधान के लिए भक्तांबर स्रोत है धर्मगुरु हमें इसका रहस्य बताते हैं मनुष्य अनादि काल से सुख की खोज में भटक रहा है अंदर सुख भरा पड़ा है उसे इसका ज्ञान नहीं है जिस तरह हिरण के नाभि में कस्तूरी होता है और हिरण भागता फिरता है हमारी संपत्ति हमारे पास है किंतु हम उसका उपयोग नहीं कर पाते जिस तरह धन सोना चांदी लॉकर में रखा होता है किंतु बिना बैंक मैनेजर की चाबी के हम उसे नहीं खोल सकते बैंक के लॉकर में हमारी स्वयं की संपत्ति है किंतु बिना बैंक मैनेजर की चाबी के वह लाकर नहीं खुलेगा इसी तरह सम्यकदर्शन आत्मा में है किंतु बिना देशना लब्धि के बिना गुरु रूपी चाबी के वह हमें प्राप्त नहीं हो सकता जब तक केवली भगवान की चरण रूपी चाबी उसमें नहीं लगेगी मोक्ष महल का द्वार नहीं खुल पाएगा।निमित्त कुछ करता नहीं किंतु बिना निमित्त कुछ होता नहीं दीप जलता है और बुझा हुआ दीपक कभी जलता नहीं जलते हुए दीपक से बुझे हुए दीपक को जलाया जा सकता है।

देव शास्त्र गुरु और भक्तामर स्रोत जलते हुए दीपक हैं जो हमारी आत्मा की बुझी हुई शक्ति को जला सकते हैं भक्तामर हमें जीवन में आने वाले दुखों से बचने के लिए तैयार करता है स्वर्ग और भोगभूमि आदि में कोई कष्ट नहीं आते किंतु कर्मभूमि में कब कौन सा कष्ट आ जाए कहां नहीं जा सकता एक क्षण में चक्रवर्ती कोड़ी बन सकता है इंद्रप्रस्थ के राजा पांडव एक बुराई के कारण सब कुछ हार गए और कंगाल हो गए एक ही दिन में राजा राम वनवास चले गए महान पुण्य आत्माएं भी कर्म के प्रभाव से संकट में आ जाते ह किंतु वे अपने पुरुषार्थ से उनसे उबर जाते हैं यहां जीवन के साथ मरने की तैयारी होनी चाहिए रोते हुए हंसने की तैयारी होनी चाहिए हारते हुए जीतने की तैयारी होनी चाहिए यह संसार राजनीति है यहां बाप भी सगा नहीं होता यदि यहां नीति होती तो मंदिर गुरु भगवान और भक्तामर की जरूरत नहीं होती जो तैयारी करेगा उसे भक्तामर सिद्ध हो जाएगा सुख नहीं दुख में क्या तैयारी है भक्तामर सुख नहीं दुख की तैयारी है हमें भक्तामर रूपी पैराशूट पहन लेना चाहिए ताकि दुख के समय गर्त में जाने से हम बच सके जीवन में जब संकट आए तब भक्तामर के माध्यम से भक्त भगवान की भक्ति करके उन्हें अपने वश में कर लेता है भगवान की भक्ति का दुनिया में भक्तामर से बड़ा कोई स्रोत नहीं है भक्ति की भाषा श्रद्धा और समर्पण की होती है। **-अभिषेक जैन लुहाड़िया**

जैन संतों पर अभद्र टिप्पणी से जैन समाज में आक्रोश

राजस्थान जैन युवा महासभा ने मुख्यमंत्री से की कड़ी कार्रवाई करने की मांग

जयपुर (विश्व परिवार)। गत 7 मई को जैन संतों पर अभद्र टिप्पणी करने पर स्थानीय दिगम्बर जैन समाज में आक्रोश व्याप्त हो गया है। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा एवं उप मुख्यमंत्री से इस मामले में कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि अजमेर की दरगाह में खादिमो कि संस्था अंजुमन के सचिव सरवर चिश्ती के जैन संतों पर दिए गए बयान की महासभा ने भर्त्सना की है।

ज्ञात है कि अजमेर में प्रवास के दौरान दिगम्बर जैन संत आचार्य सुनील सागर महाराज ने प्रशासन की अनुमति से ढाई दिन के झोपड़े का ससंघ अवलोकन किया था, जिस पर चिश्ती ने जैन संतों के निर्वस्त्र प्रवेश को लेकर अमर्यादित टिप्पणी की थी। दिगम्बर जैन संत के शरीर पर टिप्पणी कर समूचे जैन समाज व भारतीय सनातन संस्कृति का अपमान बताया।

उल्लेखनीय है कि दिगम्बर जैन संत दीक्षा से ही अपने वस्त्र त्याग कर प्रत्येक मौसम व विपरीत परिस्थितियों में रहते हुए कठिन तपस्या करते हैं।

श्री जैन के मुताबिक किसी भी समाज के लोग जैन संतो की इसी रुप में पूजा कर आदर सत्कार करते हैं। लेकिन सामाजिक एवं धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने वाले कुछ लोग जैन संतो के दिगंबर रुप में नग्नता देखकर अभद्र टिप्पणी करते हैं जो नीति संगत नही है।

इस घटना की राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, महामंत्री मनीष बैद, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी राजस्थान अंचल के अध्यक्ष राज कुमार कोठयारी, महामंत्री योगेश टोडरका, दिगम्बर जैन महासमिति के राजस्थान अंचल अध्यक्ष अनिल जैन, महामंत्री महावीर बाकलीवाल, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, श्री दिगम्बर जैन धर्म संरक्षिणी महासभा राजस्थान अंचल के अध्यक्ष कमल बाबू जैन, महामंत्री राजेन्द्र बिलाला, अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जैन, महामंत्री विमल बज, श्री दिगम्बर जैन महासमिति के राजस्थान अंचल अध्यक्ष निर्मल सोगानी, डॉ शीला जैन, शीला डोड्या, पुष्पा सोगानी, राकेश गोदिका, राकेश गोधा, चेतन जैन निमोडिया, नरेश कासलीवाल, लोकेश जैन, रवि जैन सहित कई संस्था पदाधिकारियों ने राज्य सरकार से दिगम्बर जैन संतो के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी करने के लिए कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

मास्टर प्लान में गड़बड़ी की शिकायत का कमेटी बनाकर होगा निराकरण : ओपी चौधरी

रायपुर (आरएनएस)। मास्टर प्लान में मिली शिकायतों के बाद से मार्च के महीने में एक जांच समिति बनाई गई थी। इस मास्टर प्लान को बनाने में कई बड़े अफसर शामिल हैं। इसी मसले पर अब वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि, मास्टर प्लान के संबंध में अनेक शिकायतें मिली थी। जो भी गलतियां और गड़बड़ियां हैं। उसके लिए आवास पर्यावरण की कमेटी गठित की है। गड़बड़ी ठीक करने का काम किया जाएगा।

प्राइवेट कंपनियां छत्तीसगढ़ में इन्वेस्ट करेंगी : वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि, इन्वेस्टमेंट का माहौल बनाने के लिए सरकार संकल्पबद्ध है। 5 साल में जीडीपी को 5 लाख करोड़ से 10 लाख करोड़ पहुंचाना है। इसके लिए यहां पर स्ष्ट का आना जरूरी है। पिछली सरकार के समय भ्रष्टाचार ज्यादा हुआ है और इन्वेस्टर को प्रताड़ित करने का भी काम किया गया है।

सुधार के लिए प्रयास जारी : रजिस्ट्री से जुड़े मामलों पर मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि, रजिस्ट्री की प्रक्रिया में सुधार के लिए प्रयास किया जा रहा है। गड़बड़ियों में सुधार करने की योजना बन रही है। पहले सॉफ्टवेयर अलग था, अब नए सॉफ्टवेयर में थोड़ी परेशानियां आ रही हैं। 2 से 3 महीने के अंचर सुचारू रूप से काम शुरू हो जाएगा।

गोंदवारा शीतला तालाब को सौंदर्यीकरण कर निखारने एवं विभिन्न कार्य प्रगति पर

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के दिशा-निर्देश के अनुरूप रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में समाज हित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से तालाब को संरक्षित करने का कार्य प्रगति पर है. इस क्रम में रायपुर नगर निगम जोन क्रमांक 1 के लोक कर्म विभाग के माध्यम से राज्य प्रवर्तित योजना सरोवर हमारी धरोवर के तहत लगभग 68 लाख रूपये की स्वीकृत लागत से जोन 1 के संत कबीर दास वार्ड नम्बर 3 के तहत गोंदवारा शीतला तालाब के सौंदर्यीकरण का कार्य निरन्तर प्रगति पर है. रायपुर जिला कलेक्टर के आदेशानुसार एवं नगर निगम आयुक्त के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 1 जोन कमिश्नर श्री हितेन्द्र यादव एवं कार्यपालन अभियंता श्री गजाराम कँवर द्वारा अभियंतागणों सहित कार्य की प्रगति की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है. गोंदवारा शीतला तालाब में टोवाल एवं घाट का निर्माण तेजी से प्रगति पर है. यह कार्य मानसून की बारिश के पूर्व पूर्ण करवाने तेजी से कार्य करवाया जा रहा है. योजना के तहत शीतला तालाब पार में पाथ वे निर्माण का कार्य, लाइटिंग का कार्य, स्टोन पीचिंग कार्य, चेंजिग रूम निर्माण सहित छोटा विसर्जन कुण्ड बनाया जायेगा।

भगवान महावीर का 2550 वां निर्वाणोत्सव वर्ष 'जीव दया अभियान'

राजस्थान जैन युवा महासभा ने परिण्डो एवं चुग्गा दाना घर का किया वितरण, पक्षी रक्षा का लिया संकल्प

जयपुर (विश्व परिवार)। जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर - जो गत 30 वर्षों से धार्मिक, महिला उत्थान एवं मानव तथा समाजसेवा के क्षेत्र में कार्यरत है के टोक रोड जोन के तत्वावधान में सामाजिक सेवा कार्यो के तहत जीव दया अभियान के अन्तर्गत परिंण्डो और चुग्गा दाना घर का वितरण किया गया इस मौके पर उपस्थिति समाज बन्धुओं द्वारा परिण्डो एवं चुग्गा दाना घर की नियमित देखभाल एवं पक्षी सेवा का संकल्प लिया गया।

जोन अध्यक्ष अमित शाह एवं महामंत्री रमेश पाटनी के मुताबिक कीर्तिनगर स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में कीर्तिनगर नगर के पार्को तथा घरों एवं आसपास के पेड़ों पर पंछियों के पानी पीने के लिए परिण्डे तथा पंछियों के लिए चुग्गा दाना घर बांधे जाने के लिए 101 परिण्डा एवं चुग्गा दाना घर वितरित किए गए। इस मौके पर उपस्थित जैन बन्धुओं ने पक्षी रक्षा का संकल्प लेते हुए परिण्डो में नियमित रूप से पानी भरने तथा पक्षियों के लिए चुग्गा दाना घर में दाना भरने की शपथ ली।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, का टोक रोड जोन की ओर से भावभीना स्वागत एवं सम्मान किया गया। श्री जैन ने बताया कि भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाणोत्सव वर्ष में युवा महासभा द्वारा शहर में 2550 परिण्डा वितरण का संकल्प लिया गया है। इसी के अन्तर्गत 5 सम्भागो एवं 15 जोनो के माध्यम से लगातार परिण्डा एवं चुग्गा दाना घर वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इस मौक कीर्ति नगर मंदिर प्रबंधकारिणी समिति के मंत्री राजकुमार जैन, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार गोधा, दिगम्बर जैन महासमिति कीर्ति नगर इकाई के अध्यक्ष भाग चन्द बाकलीवाल, मनोज गंगवाल, विनित गोदिका, निखिल गोधा, नवीन गंगवाल और बडी संख्या में गणमान्य लोगों ने सहभागिता निभाई।

इससे पूर्व विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र का तीन बार सामूहिक उच्चारण करने के पश्चात प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने युवा महासभा की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन ने युवा महासभा के संगठन की रुपरेखा बताई। जोन अध्यक्ष अमित शाह ने स्वागत उदबोधन देते हुए सम्भाग के सामाजिक कार्यो की जानकारी दी। अन्त में जोन महामंत्री रमेश पाटनी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने विदिशा को दिया मंगल आशीर्वाद

3 से 8 जून तक होंगे सागर रोड़ पर स्थित धर्मनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में पचकल्याणक

विदिशा (विश्व परिवार)। संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागरजी महा मुनिराज के परम प्रभाविक शिष्य एवं आचार्य श्री समयसागर जी महामुनिराज के आशीर्वाद से शंका समाधान एवं भावना योग प्रणेता मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज स संघ के सान्निध्य में श्री दिगम्बर जैन धर्मनाथ मंदिर के जिन विंव पचकल्याणक 3 जून से 8 जून तक संपन्न होंगे। उपरोक्त जानकारी दयोदय महासंघ एवं विदिशा जैन समाज के प्रवक्ता अविनाश जैन ने देते हुये बताया मुनिसंघ भाग्योदय तीर्थ सागर में विराजमान है एवं आज सायंकाल 6 बजे से शंका समाधान कार्यक्रम भाग्योदय तीर्थ प्रांगण में तथा 23 मई को भगवान गंज में आहार चर्या और प्रवचन होंगे एवं 23 मई को सांयकाल 4:30 बजे मंगल विहार विदिशा की ओर सम्भावित है। कटरा सागर में हुई शंकासमाधान सभा में विदिशा जैन समाज की ओर से बड़ी संख्या में धर्म श्रद्धालु उपस्थित थे जिला जैन समाज के अध्यक्ष बसंत जैन ने जैन समाज एवं मणीधर परिवार की ओर से मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज स संघ से विदिशा नगर में पधारने का अनुरोध किया मुनि श्री ने विदिशा जैन समाज के अनुरोध को स्वीकारते हुये कहा कि यह संयोग ही है कि कोविड काल के दौरान जब में विदिशा आया था तो सनत जैन मणीधर परिवार के निवेदन पर इस जिनालय की नींव रखी थी यह गुरुभक्ति का परिणाम है कि मणीधर परिवार को मुनिसंघ सानिध्य में पंचकल्याणक कराने का आशीर्वाद मिल गया है यह पंचकल्याणक प्रतिष्ठा चार्य अशोक भैयाजी एवं अभय भैयाजी के निर्देशन में संपन्न होगा। प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया मुनिसघ का मंगल आशीर्वाद प्राप्त होंने के पश्चात संपूर्ण विदिशा जिला ही नहीं अपितु सपूर्ण भारत में जैन श्रद्धालुओं को इस पंचकल्याणक महामहोत्सव में पधारने का अनुरोध किया गया है। सकल जैन समाज विदिशा ने आगंतुक अतिथियों के स्वागत की व्यापक तैयारियां प्रारंभ कर दी है। **-अविनाश जैन**

26 को यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा के लिए निशुल्क मॉक टेस्ट

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में ज़िला प्रशासन रायपुर द्वारा 26 मई को यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा 2024 के लिए नि: शुल्क मॉक टेस्ट का आयोजन करने जा रही है।

यह मॉक टेस्ट ऑफ लाइन (पेपर पेन मोड में ओएमआर सीट पर) होगा, जिसके लिए इच्छुक युवाओं को 24 मई तक गूगल फार्म में रजिस्ट्रेशन कराना होगा। युवाओं को वास्तविक परीक्षा के अनुभव के लिए ऑनलाइन के जगह ऑफ्लाइन मॉक टेस्ट का आयोजन किया जा रहा है। मॉक टेस्ट का प्रश्न पत्र हिंदी और अंग्रेज़ी दोनो भाषा में होगा। जिला प्रशासन द्वारा मॉक टेस्ट के बाद प्रश्नों के विस्तृत उत्तर भी दिया जाएगा साथ ही प्रथम तीन स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार दिया जाएगा। मॉक टेस्ट में छत्तीसगढ़ के किसी भी जिले के युवा शामिल हो सकते हैं।

भावना योग के बाद मुनिश्री प्रमाणसागर जी महाराज ने कहा- चुनौती को अपनी कुशलता से उपलब्धि में बदलें

मुनिश्री की कटरा नमक मंडी में धर्मसभा

सागर (विश्व परिवार)। शंका समाधान प्रणेता मुनिश्री प्रमाणसागर जी महाराज ने कहा कि जीवन में उतार-चढ़ाव जीवन का हिस्सा है तो वहीं अपने आप को स्थिर बनाए रखना कला है. कटरा नमक मंडी में विराजमान मुनिश्री प्रमाण सागर महाराज के सानिध्य में मंगलवार सुबह 5 बजे भावना योग का आयोजन किया गया. जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया.

भावना योग के पश्चात मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि चुनौती को अपनी कुशलता से उपलब्धि में बदलना चाहिए. जीवन में उतार-चढ़ाव जीवन का हिस्सा पार्ट ऑफ लाइफ और अपने आप को स्थिर बनाए रखना ऑर्ट ऑफ लाइफ है.कर्म की अनुकूलता से सुख और प्रतिकूलता से दुख आते है. सहन करने की क्षमता विकसित करो. परिस्थितियां अपने आप बदल जावेंगी. परिस्थितियां कर्म के अनुरुप चलती हैं. सूरज के आगे घने काले बादल छा जाते हैं और अंततः जीत सूरज की होती है. बादलों को छटना पड़ता है. आत्मविश्वास और धैर्य के साथ संकटों का सामना करें.कष्टों से विचलित न हों. मुश्किलों से घबराना नहीं करना चाहिए. मुनिश्री ने कहा कि शिकायत नहीं धन्यवाद की कला सीखना चाहिए. हर परिस्थिती का सामना करना सीखें.

आज मंगलवार की सुबह 5 बजे से मुनिश्री के सानिध्य में भावना योग शुरु हुआ जिसमें आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में साधर्मी बंधुओं ने शामिल होकर लाभ उठाया.

मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज का ससंघ नगर के कुछ मंदिरों में पहुंचकर दर्शन किए। पहले जैन चैत्यालय अप्सरा टाकीज, वाहुवली कॉलोनी जैन मंदिर, गोदरेवाडा जैन मंदिर रामपुरा और वांशुपूज्य मंदिर रामपुरा मुनि श्री के मुखारबिंद से शांति धारा हुई।

मुनि सेवा समिति के सदस्य मुकेश जैन ढाना ने बताया कि आठ बजे श्री पारसनाथ जिनालय में मुनिश्री के द्वारा शांति धारा हुई प्रथम शांति धारा सुरेश बजाज मेडिकल और द्वितीय संतोष बिलहरा ने की, पाद प्रछालन राजा भैया कारी टीकमगढ और महेंद्र जैन मयंक जैन पिसी ने किया। शास्त्र भेंट अखिलेश सतभैया प्रदीप भदौरा, संदीप बहेरिया, विक्रांत चौधरी, अरविंद भूसा, को प्राप्त हुआ।

पिछले एक दशक से भावना योग के माध्यम से असाध्य रोगों का इलाज होता है मुनि महाराज के द्वारा कराया जा रहा है इस कार्यक्रम को लेकर के सागर में उत्साह है और हजारों लोग भावना योग दूसरे दिन भी करेंगे। 21 मई को सुबह पांच बजे से लगभग पांच हजार से ज्यादा महिला पुरुषों ने नमक मंडी के फर्श पर लगभग पौने घंटे का भावना योग किया।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

छत्तीसगढ़

रायपुर, गुरूवार 23 मई 2024

राजयोग मैडिटेशन का अभ्यास सिखने बच्चे हर रविवार को आने के इच्छुक- ब्रह्माकुमारी सरिता

संस्कार समर कैंप का प्राईज डिस्ट्रीब्यूशन के साथ हुआ समापन

धमतरी। प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय धमतरी द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी समर कैंप का आयोजन किया गया। समर कैंप के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे अंजनेय वार्सनेय पुलिस अधीक्षक धमतरी, कपिल मनुजा नेशनल ऑफिसर , फाउंडर प्रेसिडेंट धमतरी शाइन, ब्रह्मा कुमारी सरिता दीदी, प्राजक्ता दीदीजी सर्वप्रथम बच्चो ने Divine Sapling थीम पर अरुणिमा के जीवन कहानी को लेकर बहुत सुन्दर नृत्य नाटिका प्रस्तुत कि जिससे बच्चो ने सिखा संकल्प यदि ऊँचा हो तो कोइ भी बाधा अपने लक्ष से दूर नहीं कर सकती । मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अंजनेय वार्सनेय ने बच्चो को मूल्यों का महत्व समझाते हुए तीन मूल्यों की व्यक्तिगत मूल्य, सामाजिक मूल्य, राष्ट्रिय मूल्य को विस्तार से समझाते हुए उसका अपने जीवन में क्या महत्व है समझाया, उन्होंने आगे कहा जैसा नाम है संस्कार समर कैंप तो निशित रूप में संस्कार समर कैंप में बच्चों का मुल्यानुगत विकास विकास होगा। कपिल मनुजा नेशनल ऑफिसर फाउंडर प्रेसिडेंट जेसीआई धमतरी शाइन ने बच्चो को राजयोग मैडिटेशन का महत्व समझाया और कहा मै खुद यहाँ ब्रह्मा कुमारी में आकर मोटिवेशन लेता हूँ, मुझे यहाँ बहुत अच्छा लगता है। बच्चे बहुत भाग्यवान है जो अभी से उनको इतनी अच्छी ज्ञान की बाते सिखने समझने को मिल रही है। ब्रह्माकुमारी सरिता दीदी ने कहा बच्चो के अन्दर सहयोग की भावना होनी चाहिए और अभिभावकों को बच्चो की पढाई के साथ उनकी अच्छी पालना भी करे इसके लिए उन्हें समय अवश्य दे। हम बच्चो को फिजिकली तो स्ट्रोंग बना रहे है लेकिन इमोशनली वीक होते जा रहे है द्य जिसके कारण जीवन में आने वाली बडी परिस्थितियों को वो फेस नहीं कर पाते। बच्चे प्रत्येक रविवार को राजयोग मैडिटेशन का अभ्यास सिखने सेवाकेंद्र पर आने के इच्छुक दिखाई दिए। सरिता दीदी सभी अभिभावकों को भी यही कहा वे भी सेवाकेंद्र पर आकर 7 दिवसीय राजयोग शिविर अवश्य करें। कार्यक्रम के अंत में उन सभी बच्चो को मैडल और सर्टिफिकेट दिया गया जो विभिन्न प्रतियोगिताओ में फर्स्ट सेकंड थर्ड रहे और बाकि सभी बच्चो को सर्टिफिकेट और गिफ्ट दिया गया। समर कैंप को सफल बनाने में डॉक्टर प्रशांत, मयंक और गौतम का विशेष सहयोग रहा कार्यक्रम का संचालन प्राजक्ता बहन ने किया।

सैमसंग 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' ने किया पहली 'डिजाइन थिंकिंग वर्कशॉप' का आयोजन

गुरुग्रामः सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्राण्ड, ने देश के चुनिंदा स्कूलों में अपनी पहलह डिजाइन थिंकिंग एण्ड ट्रेनिंग वर्कशॉप की पेशकश की है। यह अनोखी पहल सैमसंग के 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' प्रोग्राम का हिस्सा है। यह 'ह्यूमन-सेंटर्ड डिजाइन थिंकिंग' की रूपरेखा के माध्यम से विद्यार्थियों में जरूरी कौशल बढ़ाने पर फोकस करती है। इन कौशल में प्रॉब्लम सॉल्विंग, क्रिटिकल थिंकिंग, प्रोबिंग और क्रियेटिविटी शामिल हैं। राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा एवं नवाचार प्रतियोगिता का मकसद अगली पीढ़ी में नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देना है। खासकर भारत के लिये तैयार की गई, एक दिन की वर्कशॉप ने विद्यार्थियों को डिजाइन थिंकिंग के आइडिया कोा पसंद करने लिये प्रोत्साहित किया। उन्हें दुनिया की असल समस्याओं को समझने और हल करने की प्रेरणा भी मिली। शैक्षणिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत 'ह्यूमन-सेंटर्ड डिजाइन थिंकिंग' समस्याओं को हल करने का एक दमदार तरीका है। डिजाइन की दुनिया की प्रक्रियाओं और टूल्स का इस्तेमाल कर ह्यूमन-सेंटर्ड डिजाइन की रूपरेखा संवेदना, परिभाषा, जगह, प्रोटोटाइपिंग और परीक्षण पर जोर देती है। फिर ऐसे समाधान मिलते हैं, जो लोगों का जीवन बेहतर बनाते हैं। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के कॉर्पोरेट वाइस प्रेसिडेंट एसपी चुन ने कहा, ''सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो हमारी सोच का हिस्सा है। हम अगली पीढ़ी को सशक्त करना चाहते हैं और देश में नवाचार के लिये एक इकोसिस्टम बनाना चाहते हैं। हमारा मानना है कि बच्चे नवाचार के अग्रदूत हैं और उन्हें छोटी उम्र से ही बढ़ावा मिलना चाहिये। डिजाइन थिंकिंग वर्कशॉप को इस साल 10 स्कूलों में पायलट के तौर पर पेश किया गया है। इस तरह नन्हे विद्यार्थी प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के लिये प्रेरित होंगे। इसमें समस्या को हल करना, साथ मिलकर काम करना और रचनात्मक चिंतन शामिल है। इन ऑफलाइन सेशंस के जरिये स्कूली विद्यार्थी मूलभूत सिद्धांतों पर सवाल करने, असली दुनिया की समस्याओं को पहचानने और तकनीक पर आधारित समाधान देने का अनोखा मौका पाएंगे।''

इंचपारा गांव में सौर सामुदायिक सिंचाई योजना फेल, किसानों को नहीं मिल रहा लाभ

- सोलर सिंचाई पम्प पर लगे मोटर निकाल कर ले गए विभागीय अधिकारी

रायगढ़। छत्तीसगढ़ सरकार ने सोलर सिंचाई पंप लगाने के काम को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। कवायद ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों की आमदनी बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है। सबसे ज्यादा सोलर पंप स्थापित करने और ऊर्जा संरक्षण के लिए छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण को राष्ट्रीय पुरस्कार में मिला है। छत्तीसगढ़ सरकार सोलर एनर्जी से कृषि के क्षेत्र में बड़े बदलाव लाने का प्रयास कर रही है। क्रेड़ा की तरफ से वनांचल गांवों में पेयजल उपलब्ध कराने के लिए सोलर पंप, सोलर विद्युत केंद्र, सोलर लाइट लगाए गए हैं। जो कि गांवों में महज दो तीन साल चलने बाद ठप्प पड़ गया है। जिससे गांव के किसान सोलर पंप से सिंचाई का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। हम बात कर रहे हैं, धरमजयगढ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत कुमा के इंचपारा गांव का जहां पर क्रेडा विभाग द्वारा सौर सामुदायिक सिंचाई पंप स्थापित किया गया था। जिसका कुल सिंचाई क्षमता 47.87 हेक्टेयर भूमि पर होना है। जिसमें कुल कृषक संख्या 33 शामिल हैं। लेकिन वहीं आज सिंचाई व्यवस्था ठप्प पड़ गई। स्थापित की गई, उपकरणों पर जंक लग रही है। इसके संबंध में जानकारी के लिए गांव के किसानों से पुछा गया,तो उन्होंने बताया कि इस सोलर सिंचाई सिस्टम का लाभ महज दो तीन साल ही मिल सका,उसके बाद कोई मतलब नहीं है,आगे उन्होंने कहा कि यहां पर लगे सोलर मोटर पंप को बिलासपुर के कुछ सोलर विभाग के अधिकारी लोग ले गये। और बताकर गये,कि इसको सुधारने के लिए ले जा रहे हैं, बहुत जल्द लाकर लगा दिया जायेगा। लेकिन आज तक झांकने तक नहीं पहुंचे हैं। जिससे हमें रबी फसल में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आगे उन्होंने कहा जब से सोलर सिंचाई सिस्टम से सिंचाई कर फसल उत्पादन कर रहे थे,तब अच्छी फसलें एवं आमदनी कमा पा रहे थे, लेकिन अब ऐसा नहीं हो पा रहा। हमने अभी सभी किसान मिलकर राशि जुटा कर जेसीबी मशीन के माध्यम से नदी में मेड़ लगा कर पानी को रोककर वहां से नहर निकाल कर खेतों में सिंचाई कर रहे हैं।जो हमे हर वर्ष इसी तरह खर्चा करना पड़ रहा है,तब जाकर कहीं ग्रीष्म कालीन खेती कर पा रहे हैं। लेकिन वहीं सवाल उठना लाजिमी है, कि राज्य सरकार के कृषि विभाग व क्रीडा की ओर से रियाते दरों पर किसानों को सोलर सिंचाई पंप प्रदान किए जाते हैं ऐसे अनेकों गांव का खेत खलिहान में सोलर पंप लगाने में प्राथमिकता दी जा रही है या बिजली पहुंच पाना संभव नहीं है सुदूर वनांचल क्षेत्र के किसानों के लिए सर्व सुजला योजना वरदान साबित हो रही है। लेकिन वहीं दूसरी तरफ विभाग के कुछ अधिकारी कर्मचारी के लापरवाही से कई किसानों को इसके लाभ नहीं मिल पा रही है। इसके संबंध में हमने संबंधित क्रेडा के विभागीय अधिकारियों से जानकारी चाही तो उन्होंने कहा कि मोटर पंप खराब हो गई थी। जिसे सुधार करने के लिए निकाली गई थी।

आयुक्त ने अंडर ब्रिज सफाई कार्य का देखा सच

रायगढ़। निगम कमिश्नर सुनील कुमार चंद्रवंशी ने मंगलवार की सुबह निर्मल लॉज के सामने स्थित मालधक्का रोड अंडर ब्रिज नाला सफाई का निरीक्षण किया। इस दौरान अंडरब्रिज के नीचे नाला से पानी निकासी बहाल हो इसे ध्यान में रखते हुए सभी चैंबरों से अच्छी तरह से मलबा एवं कचरा को निकालने के निर्देश दिए गए। सुबह करीब 7.30 बजे कमिश्नर चंद्रवंशी ने अंडर ब्रिज का निरीक्षण किया। इस दौरान अंडर ब्रिज के खोले गए चेंबर को कमिश्नर चंद्रवंशी ने देखा और पानी निकासी अच्छे से हो इसके लिए नाला में जमे कचरे और मलवा को निकालने के निर्देश दिए। इसके बाद बंगाली पारा, स्टेशन चौक, आटले गली का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वार्ड की सफाई व्यवस्था को बेहतर करने के निर्देश संबंधित सफाई दरोगा को दिए गए। स्टेशन चौक के पास ठेला एवं गुमटी लगाने वालों से भी कचरा लेने निगम के वाहन आने और वाहन में ही संस्थानों से निकले कचरे को देने संबंधित चर्चा की गई। इस दौरान कमिश्नर चंद्रवंशी ने सूखा और गीला कचरे को अलग अलग रखने अलग अलग डस्टबिन का उपयोग करने, कचरा कहीं पर भी नहीं फेंकने और यूजर चार्ज समय पर जमा करने की सभी से अपील की। इसी तरह वार्ड के निरीक्षण के दौरान वार्ड वासियों से समय पर और पर्याप्त मात्रा में पानी आने, कचरा लेने रिक्शा के साथ स्वच्छता दीदियों के आने, सूखा और गीला कचरा अलग अलग देने, वार्ड के नाली, नाला की सफाई रोटेशन पर नियमित होने आदि बातों पर चर्चा की गई। निरीक्षण के दौरान निगम स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 के अवसर पर डिज़्नी+ हॉटस्टार ने एडवरटाईज़र्स को एक बेहतर सेल्फ-सर्व प्लेटफॉर्म पेश किया

मुंबई : आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप, 2024 से ठीक पहले डिज़्नी+ हॉटस्टार अपना सेल्फ-सर्व प्लेटफॉर्म वर्ज़न 2.0 लेकर आया है। इसकी शुरुआत अगस्त 2023 में एशिया कप और आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप, 2023 से पहले की गई थी, जो अब अपग्रेडेड वर्ज़न में 5 भाषाओं - इंग्लिश, हिंदी, तमिल, तेलुगू और कन्नड़ में हर व्यावसायिक क्षेत्र और आकार के एडवरटाइज़र को एडवरटाइजिंग करने का सुगम व आसान अनुभव प्रदान कर रहा है। यह बेहतर सेल्फ-सर्व प्लेटफॉर्म एडवरटाईज़र्स की विभिन्न जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाईन किया गया है, जो अब डिज़्नी+ हॉटस्टार पर लाईव स्पोर्ट्स और विस्तृत एंटरटेनमेंट पोर्टफोलियो, दोनों में एडवरटाईज़मेंट सपोर्ट प्रदान करेगा। इसकी मदद से छोटे और मध्यम आकार के एडवरटाईज़र भारत के अग्रणी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स में से एक, डिज़्नी+ हॉटस्टार पर अपने ग्राहकों के साथ प्रभावी तरीके से कनेक्ट हो सकेंगे। डिज़्नी+ हॉटस्टार इंडिया के हेड, एडवरटाईज़मेंट्स, श्री ध्रुव धवन ने कहा, ''हम एडवरटाईज़र्स और एजेंसी पार्टनर्स को इनोवेटिव एड समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा बेहतर सेल्फ-सर्व प्लेटफॉर्म हमारी इस प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है, और हर आकार के एडवरटाईज़र्स को आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप, 2024 के दौरान मिलने वाले महत्वपूर्ण अवसरों का लाभ उठाने में समर्थ बनाता है। अब एडवरटाईज़र इस टूर्नामेंट के बाद भी हमारी एंटरटेनमेंट पेशकशों द्वारा ग्राहकों तक पहुँच सकेंगे, जिससे ग्राहकों के साथ उनका स्थिर संपर्क स्थापित होगा। हम एडवरटाईज़र्स और एजेंसी पार्टनर्स द्वारा अपने सेल्फ-सर्व प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं।'' डिज़्नी+ हॉटस्टार के सेल्फ-सर्व प्लेटफॉर्म एंड-टू-एंड ऑटोमेशन और स्ट्रीमलाईंड कैम्पेन सेट-अप प्रक्रिया द्वारा एडवरटाईज़र तीन घंटे से कम समय में ही अपना कैम्पेन लॉन्च कर सकते हैं।

जल जगार उत्सव के तहत ग्राम अंवरी और मुल्ले में आयोजित हुआ कार्यक्रम

- सबने एक स्वर में कहा जल बचाना हम सबकी जिम्मेदारी
- जल समस्या पर आधारित लघु फिल्म प्रदर्शित कर किया गया जागरूक

धमतरी। जल जगार उत्सव के दूसरे दिन आज कुरूद विकासखण्ड के ग्राम अंवरी और मुल्ले में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान वाटर हीरो जलप्रहरी नीरज वानखेड़े ने उपस्थितों को रैन वाटर हार्वेस्टिंग, रूफटॉप स्ट्रक्चर, वेस्ट वाटर हार्वेस्टिंग इत्यादि को तैयार करने के संबंध में डेमो करके समझाया। इसके साथ ही गांव के पुराने हैण्डपम्प में रिचार्ज स्ट्रक्चर बनाने की विधि का प्रदर्शन भी उन्होंने किया। श्री वानखेड़े ने जल संरक्षण पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मानव जीवन के लिए जल कितना महत्वपूर्ण है और इसका संरक्षण करना हम सबका कर्तव्य है। इस मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने जल संरक्षण की दिशा में कार्य करने और जल को संरक्षित करने की विधि को समझने के लिए कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सबने एक स्वर से कहा कि पानी बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। ग्रामीणों ने गांव के भूजल स्तर बढ़ाने के लिए तालाब के किनारे, घरों के आसपास, सार्वजनिक स्थानों में वृक्षारोपण करने, रैन वाटर हार्वेस्टिंग, रूफटॉप स्ट्रक्चर, वेस्ट वाटर हार्वेस्टिंग, रिचार्ज स्ट्रक्चर बनाने की भी बात कही। इसके साथ ही देश में व्याप्त जल समस्या पर आधारित लघु फिल्म का भी कार्यक्रम में प्रदर्शन कर जल बचाने हेतु लोगों को प्रेरित किया गया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर प्रीति दुर्गम, सीईओ जनपद पंचायत कुरूद जी.आर.वर्मा, तहसीलदार, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। गौरतलब है कि कलेक्टर नम्रता गांधी की पहल पर जिले में भूजल स्तर बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए आगामी 15 जून तक जल जगार उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान गांवों में जलप्रहरी के जरिए रैन वाटर हार्वेस्टिंग, रूफटॉप स्ट्रक्चर, वेस्ट वाटर हार्वेस्टिंग, रिचार्ज स्ट्रक्चर बनाने की विधि ग्रामीणों को दी जा रही है। साथ ही अधिकारी, कर्मचारी सहित ग्रामीण जल संरक्षण संबंधी शपथ और नारी शक्ति से जल शक्ति सेल्फी जोन में सेल्फी भी ले रहे हैं। शपथ में कहा गया कि हम पानी बचाने और उसके सही इस्तेमाल, पानी की हर बूंद का ख्याल रखेंगे, ''कैच द रेन'' अभियान को बढ़ावा देंगे, पानी को अनमोल संपदा मानेंगे और इसका सही इस्तेमाल करेंगे., हम अपने परिवार, पड़ोसियों और अधिकारियों को भी पानी का सही इस्तेमाल करने और उसे बर्बाद न करने के लिए प्रेरित करेंगे, यह ग्रह हमारा है और हम ही इसे बचा सकते हैं और अपना भविष्य सुरक्षित कर सकते हैं। आयोजित कार्यक्रम में जल संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को मंच से सम्मानित भी गया।

एचडीएफसी बैंक और प्रवेगा वेंचर्स ने फिनटेक क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए को-लैब इनिशिएटिव के तहत दो स्टार्टअप का चयन किया

मुंबईः भारत के निजी क्षेत्र के अग्रणी बैंक एचडीएफसी बैंक ने एक उद्यम पूंजी फर्म प्रवेगा वेंचर्स के सहयोग से आज अपनी को-लैब इनिशिएटिव के तहत दो इनोवेटिव स्टार्टअप के चयन की घोषणा की है। को-लैब कार्यक्रम के सह-मालिकों के रूप में बैंक और प्रवेगा वेंचर्स ने ऐसे स्टार्टअप की पहचान की है जो आधुनिक बैंकिंग चुनौतियों का समाधान करने और फिनटेक क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की असाधारण क्षमता प्रदर्शित करते हैं। को-लैब, एचडीएफसी बैंक और प्रवेगा वेंचर्स के बीच एक संयुक्त कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य फिनटेक में अत्याधुनिक समाधान पेश करने वाले स्टार्टअप की पहचान करना और उनके साथ साझेदारी करना है। पिछले साल लॉन्च किया गया को-लैब कार्यक्रम ग्राहकों को नवीन उत्पाद और सेवाएं प्रदान करने के लिए स्थापित वित्तीय संस्थानों और उभरते स्टार्टअप के बीच सहयोग को और आगे ले जाना चाहता है।

चयनित स्टार्टअप फिनटेक डोमेन के भीतर विभिन्न श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करते हैं:

क्रेक्रेस्टः अपने अभिनव मंच के माध्यम से शिक्षा वित्तपोषण में क्रांति ला रहा है।

कईपेलेटरः खुदरा विक्रेताओं को अपने प्लेटफॉर्म के माध्यम से सुलभ वित्तपोषण समाधान प्रदान करना। एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड - सूचना प्रौद्योगिकी और मुख्य सूचना अधिकारी रमेश लक्ष्मीनारायणन ने कहा, को-लैब कार्यक्रम में ग्रेक्रेस्ट और एपेलेटर का स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है। ये स्टार्टअप अद्वितीय विशेषज्ञता और समाधान लाते हैं जिनमें फिनटेक परिदृश्य को बदलने की क्षमता है।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने वित्त वर्ष '24 में 1836 करोड़ का राजस्व दर्ज किया

रायपुर : एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने आज, 31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए अपने परिणामों की घोषणा की, जिसमें सभी मैट्रिक्स में जबरदस्त वृद्धि दर्ज की है, और विकास के अपने सफर में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वित्तवर्ष '24 के लिए बैंक का राजस्व 42 प्रतिशत साल-दर-साल की वृद्धि के साथ बढ़कर 1,836 करोड़ हो गया, जबकि नेट प्रॉफिट 60 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि के साथ 34.5 करोड़ रहा। बैंक के मासिक लेन-देन करने वाले उपयोगकर्ता (रूज्ञ) बढ़कर 80.4 मिलियन हो गए, और ग्राहक जमा 50 प्रतिशत साल-दर-साल वृद्धि के साथ 2,801 करोड़को पार कर गई। बैंक की सकल मर्चेंडाईज़ वैल्यू (जीएमवी) 2,550 बिलियन पर पहुँच गई।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने वित्तवर्ष '24 के राजस्व में काफी अच्छी तिमाही-दर-तिमाही वृद्धि दर्ज की है। चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च '24) सबसे मजबूत तिमाही रही, जिसमें पिछली तिमाही के मुकाबले राजस्व 15 प्रतिशत क्रमवार बढ़कर 539 करोड़ हो गया। वित्तवर्ष 2024 की चौथी तिमाही में बैंक ने बचत खाते के अधिग्रहण में काफी तेजी दर्ज की और अब इसके साथ प्रतिमाह 1 मिलियन नए ग्राहक जुड़ते हैं।

पिछले चार सालों में बैंक ने तेज वृद्धि की है, और राजस्व में बेहतरीन 40 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (छ्तत्र) हासिल की है। आज, मार्च 2024 के आधार पर बैंक का वार्षिक राजस्व बढ़कर 2,400 करोड़ के सर्वोच्च बिंदु तक पहुँच गया है।

इनोवेशन की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने नए उत्पाद पेश किए हैं, जिनमें ग्राहकों की विकसित होती हुई जरूरतों को पूरा करने के लिए ईको-फ्रेंडली डेबिट कार्ड, स्मार्टवॉच, आदि शामिल हैं। सुरक्षा और संरक्षा प्रस्तावों पर बैंक के महत्व के परिणामस्वरूप इसके सुरक्षित दैनिक लेन-देन खाते की पेशकश की मजबूत मांग रही रही है।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक ट्रांज़िट समाधानों में अग्रणी है, और पाँच मेट्रो के लिए एक्सक्लुसिव एक्वायरिंग एवं इश्युएंस पार्टनर के रूप में सेवाएं दे रहा है, तथा 100 से ज्यादा फास्टैग-इनेबल्ड पार्किंग साईट्स पर फास्टैग बेस्ड पार्किंग शुल्क कलेक्शन में मार्केट लीडर है। अनुब्रता बिस्वास, स्ठ एवं छ्श्वह्र, एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने कहा, ''हमें एयरटेल पेमेंट्स बैंक के लिए एक साल और मजबूत वृद्धि की घोषणा करने की खुशी है। हमारी मजबूत फाईनेंशल परफॉर्मेंस से ग्राहकों और पार्टनर्स द्वारा हमारे ऊपर किया गया भरोसा और विश्वास प्रदर्शित होता है। हमारी डिजिटल पेशकशों की स्थिर मांग और ग्राहक अधिग्रहण में तेजी के साथ हम हर भारतीय को सुरक्षित, सरल, और लाभकारी डिजिटल बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के अपने मिशन पर दृढ़ हैं।''एयरटेल पेमेंट्स बैंक तीन अलग-अलग सेगमेंट्स - अर्बन डिजिटल, अंडरबैंक्ड और उद्योगों एवं संगठलों को सेवाएं देता है। यह एंड-टू-एंड डिजिटल बैंकिंग समाधानों के साथ डिजिटल फाईनेंशल सेवाओं का संग्रह, जैसे बीमा, लेंडिंग, और निवेश समाधान प्रदान करता है। अपने प्लेटफॉर्म्स पर सालाना 8 बिलियन से ज्यादा लेन-देन संसाधित करते हुए एयरटेल पेमेंट्स बैंक आज मोबाईल बैंकिंग उपयोगकर्ताओं के बीच 6वाँ सबसे बड़ा दिग्गज है।

चोरी किये गये मोटर सायकिलों को बेचने के लिए ग्राहक तलाश करते पकड़े गये आरोपीगण

मोटर सायकल चोरी में दो आरोपी एंव दो विधि से संघर्षरत बालक सहित चार आरोपी रहे शामिल

- मोटर सायकल चोर गिरोह पर दूसरी बड़ी कार्यवाह, चारों आरोपियों से कुल 15 नग चोरी किये मोटर सायकल किया गया बरामद

धमतरी। जुर्म जरायम पतासाजी पेट्रोलिंग दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि देशी शराब भट्ठी के पास 04 संदिग्ध व्यक्ति दो अलग-अलग बिना नंबर बजाज प्लेटिना मोटर सायकल को बेचने के लिये ग्राहक तलाश रहे है, मुखबिर की सूचना पर 04 संदिग्ध व्यक्तियों को थाना लाकर पूछताछ कर मेमोरेण्डम लिया गया। जिसमें आरोपीगण द्वारा अपना जुर्म स्वीकार करते हुये बताये कि ग्राम कुण्डेल फिंगेश्वर से दो नग हीरो पैसन प्रो, फिंगेश्वर से होण्डा लियो,अकलवारा छुरा से होण्डा स्पलेण्डर, महासमुंद से हिरो एचएफ डिलक्स, माना रायपुर से दो नग सुपर स्पलेण्डर,तर्रीघाट फिंगेश्वर से बजाज प्लेटिना, नयापारा राजिम से एक हिरो एचएफडिलक्स एंव दो नग बजाज प्लैटिना, ग्राम टेकारी सड्डू रायपुर से एक एक्टिवा स्कूटी, ग्राम कस से एक पैसन प्रो मोटर सायकल को चोरी कर मोटर सायकल का पहचान छुपाने के लिये मोटर सायकल कर नंबर प्लेट निकालकर छिपाकर रखना एंव इस्तेमाल करना बताने एंव बेचने के लिये ग्राहक तलाशना बताने से उक्त सभी मोटर सायकिलों को आरोपियों के कब्जे से बरामद कर जप्तकर आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। एवं दोनों विधि से संघर्षरत बालक को किशोर न्याय बोर्ड में पेश किया जा रहा है। जप्त वाहन में कुछ मोटर सायकलों के मालिकों का नाम पता अज्ञात होने से धारा 41 (1़4) दप्रस/ 379,201,34 भादवि का इस्तगाशा तैयार कर वाहन स्वामी की पतासाजी की जा रही है एवं आस पास के भी जिले के थानों में दर्ज अपराध के सबंध में भी पता लगाई जा रही है। आरोपीगण- राम सोनवानी पिता स्व धनीराम सोनवानी उम्र 34 वर्ष साकिन ग्राम बेलरदोना थाना मगरलोड जिला धमतरी, सोमन सोनवानी पिता आनंद सोनवानी उम्र 19 वर्ष साकिन ग्राम परसदा कला थाना फिंगेश्वर जिला गरियाबंद, एवं दो विधि से संघर्षरत बालक भी रहे शामिल।

संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश जगत, प्र0आर दीनु मारकण्डे, सउनि नेहरू राम साहू एवं आरक्षक नवीन टंडन, गोविंदा घृतलहरे, विमल पटेल, राजेन्द्र कतलम, नरेन्द्र बंजारे, गजानंद साहू, अजय गिरी, विद्या गजपाल का सराहनीय योगदान रहा।

बालों की समस्याओं में इन तरीकों से करें लौंग का इस्तेमाल

बालों की देखभाल करना आसान काम नहीं है पर इन्हें नजरअंदाज करना बालों की समस्याओं को बढ़ा सकता है। जैसे कि मौसम में बदलाव के साथ बालों में डैंड्रफ, बालों का झड़ना और सफेद बाल। ऐसे में इन तमाम समस्याओं से बचाव का एक तरीका ये है कि आप पहले से ही अपने बालों का खास ध्यान रखें। अक्सर लोग बालों का खास ध्यान रखने के लिए महंगे-महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। जैसे कि शैंपू, कंडीशनर, हेयर ऑयल और हेयर सीरम। लेकिन इन प्रोडक्ट्स के जितने फायदे नहीं होते उससे ज्यादा इसके नुकसान होते हैं। ऐसे में आपको कुछ नैचुरल चीजों का इस्तेमाल करना चाहिए जो कि बालों को फायदा ना पहुंचाए तो उनको भी नुकसान पहुंचाने का भी काम ना करें। लौंग एक ऐसी ही नैचुरल चीज है जो कि आपके बालों को हेल्दी रखने और इसके कई समस्याओं को दूर करने में आपकी मदद कर सकती है।

डैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए लौंग का पानी

डैंड्रफ यानी कि रूसी हर किसी को परेशान करता है। चाहे ये मौसम बदलने के कारण या फिर बालों के देखभाल से जुड़ी लापरवाहियों के कारण हो। आप बालों से इस डैंड्रफ को कम करने के लिए लौंग का इस्तेमाल कर सकते हैं। दरअसल, लौंग का पानी आपको इस काम में मदद कर सकता है। लौंग के पानी एंटीबैक्टीरियल गुण होता है जो कि बालों की क्लीजिंग करने के साथ डैंड्रफ को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा ये बालों में खुजली की समस्या को भी कम करता है और हमेशा के लिए डैंड्रफ से छुटकारा पाने में मदद करता है। इसके लिए लौंग को पानी में डाल कर उबाल लें और अब इस पानी को अपने स्कैल्प के लिए व डैंड्रफ के लिए इस्तेमाल करें।

स्कैल्प इंफेक्शन दूर करने के लिए लौंग का तेल

स्कैल्प इंफेक्शन दूर करने के लिए आपको लौंग के तेल से अपने स्कैल्प की मालिश करनी चाहिए। इसमें एंटीमाइक्रोबायल और एंटीफंगल गुण होते हैं, इसलिए यह आपकी स्कैल्प को क्लीन करने में मदद करता है। लौंग के तेल में मौजूद रासायनिक यूजेनॉल भी एक उत्कृष्ट एंटीसेप्टिक है जो किसी भी चकत्ते को ठीक करता है। वे स्कैल्प की बीमारियों जैसे कि डर्मेटाइटिस और स्कैल्प प्रुरिटस आदि से भी लड़ते हैं। अब इसे उबाल लें और अपने बालों में लगा लें।

लंबे बालों के लिए लौंग से बनाएं हेयर पैक

आप लौंग से हेयर पैक बना कर अपने बालों के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। दरअसल, लौंग को पीस कर और एलोवेरा मिला कर हेयर पैक बना सकते हैं। इसे अपने बालो में लगाने से आप बालों के विकास को बढ़ावा दे सकते हैं। दरअसल, ये बालों को जड़ों से पोषण देता है और बालों की रोम में ऑक्सीजन की आपूर्ति सुरक्षित रखता है जिससे बाल बढ़ाने में मदद मिलती है।

सफेद बालों के लिए लौंग का लेप

सफेद बालों के लिए लौंग का लेप बहुत फायदेमंद है। बालों को फिर से जीवंत करने के लिए आप लौंग से लेप बना कर अपने बालों में लगा सकते हैं। इसके लिए लौंग के तेल के एक भाग को तीन भाग आर्गेनिक यूकेलिप्टस तेल में मिलाकर एक मिश्रण बना लें। अब इसमें हल्का सा फिटकरी पीस कर मिलाएं। फिर सप्ताह में कम से कम दो बार अपने बालों की स्कैल्प को इससे मालिश करें। इससे ब्लड सकुललेशन सही होगा और बालों को काला करने में मदद मिलेगी।

ब्लोटिंग (पेट फूलने) की समस्या क्यों होती है? इसके कारण

ब्लोटिंग की समस्या अक्सर लोगों को परेशान करती है। ब्लोटिंग होने पर पेट में सूजन हो जाती है। यह तब होता है जब आपका जीआई ट्रैक्ट हवा या फिर गैस से भर जाता है। जीआई ट्रैक्ट में आपका पूरा पाचन तंत्र शामिल होता है, यानी कि मुंह से लेकर गुदा तक। इस दौरान पेट भरा हुआ महसूस होता है और कई बार आपको असहज कर देता है। कई बार तो, इसके कारण सांस फूलने लगता है, पसीना आने लगता है और बेचैनी महसूस होती है। साथ ही कुछ लोग ब्लोटिंग होने पर कपड़ों के टाइट होने तक की शिकायत करते हैं।

तेजी से खाना खाने के कारण

ब्लोटिंग तब होती है जब जीआई ट्रैक्ट हवा और गैस भर जाती है और ये चीज जल्दी-जल्दी खाना खाने के दौरान हो सकती है। दरअसल, जब आप जल्दी-जल्दी खाते हैं तो, खान के साथ पेट में हवा भी भरने लगता है जिससे खाने के बाद आपको ब्लोटिंग की समस्या हो जाती है। साथ ही च्यूइंग गम चबाने से भी आपको ब्लोटिंग की समस्या हो सकती है।

अपच के कारण

खराब डाइट प्लॉन फॉलो करने से या फिर खान-पान गलत तरीका अपनाने से आपको अपच हो सकता है। अपच तब होती है जब आपका खाना सही से पच नहीं पाता है और गैस के साथ पेट को भरने लगता है। ये कई कारणों से हो सकता है। जैसे कि ज्यादा खाना खाने से और गलत समय पर खाना खाने से। ऐसे में ये गैस डकार और पेट फूलने के माध्यम से शरीर से बाहर निकलने की कोशिश करती है। गैस जमा होने के अलावा गैस ना निकल पाना भी ब्लोटिंग का कारण बन जाता है।

फूड इंटॉलरेंस

फूड इंटॉलरेंस यानी कि जब आपका शरीर कुछ खास खाद्य पदार्थों को नहीं पचा पाता है तो आपको ब्लोटिंग की समस्या हो सकती है। दरअसल, ये तरह का इंफेक्शन होता है। जैसे कि आपने कोई ऐसी चीज खाई है जो कि आपका पेट पचा नहीं पा रहा है तो इससे आपके पेट में सूजन हो जाएगी और आप ब्लोटिंग महसूस करने लगेंगे।

कब्ज के कारण

कब्ज अक्सर पेट में सूजन का कारण बनता है। पर कब्ज के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिनके बारे में जान कर ही आप इस समस्या से बच सकते हैं। जैसे कि शरीर में पानी की कमी के कारण, आहार में पर्याप्त फाइबर ना होने से, कुछ पेट के रोगों के कारण, मैग्नीशियम सहित कुछ पोषक तत्वों की कमी से और प्रेग्नेंसी के कारण। इन तमाम स्थितियों में लोगों को कब्ज की समस्या हो जाती है।

बीमारियां दूर रखने के लिए डाइट में शामिल करें ये आयुर्वेदिक चीजें

आयुर्वेद एक पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धति है। इसका उद्देश्य मन, शरीर और आत्मा को संतुलन में रखकर बीमारी को रोकना होता है। हम भी खुद को स्वस्थ रखने के लिए कई उपाय आजमाते हैं, लेकिन फिर भी किसी न किसी छोटी-बड़ी बीमारी की चपेट में आ ही जाते हैं। आयुर्वेद में कई ऐसी जड़ी-बूटियां हैं, जिनका उपयोग तरह-तरह की बीमारियों को दूर करने के लिए किया जाता है।

अश्वगंधा: अश्वगंधा आयुर्वेद में सबसे प्रचलित जड़ी-बूटियों में से एक है। अश्वगंधा का उपयोग कई सामान्य से लेकर गंभीर बीमारियों को ठीक करने के लिए किया जाता है। आयुर्वेद में अश्वगंधा पुरुषों के लिए एक बेहतरीन औषधि मानी जाती है। अश्वगंधा पुरुषों की छोटी-बड़ी कई समस्याओं को दूर करने में सहायक होता है। अश्वगंधा के सेवन से तनाव कम होता है, अनिद्रा की समस्या दूर होती है। साथ ही यह मांसपेशियों के विकास में भी मदद करता है। अश्वगंधा का उपयोग प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत

बनाने और सूजन को कम करने के लिए भी किया जा सकता है। आप अश्वगंधा का उपोयग कैप्सूल, पाउडर या काढ़े की रूप में कर सकते हैं।

ब्राह्मी : आयुर्वेद में ब्राह्मी जड़ी-बूटी का उपयोग भी कई बीमारियों का इलाज करने के लिए किया जाता है। ब्राह्मी में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो वायरस और बैक्टीरिया या संक्रमण से हमारा बचाव करते हैं। ब्राह्मी अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर यानि ध्यान की कमी और अत्यधिक सक्रियता की बीमारी के लक्षणों को कम करने में सहायता करता है। ब्राह्मी में एडाप्टोजेनिक गुण होते हैं, जो तनाव और चिंता को दूर करने में मदद करते हैं। ब्राह्मी बालों की खुजली से भी छुटकारा दिलाता है।

नद्यपान जड़ : नद्यपान जड़ आयुर्वेदिक चिकित्सा में एक केंद्रीय स्थान रखता है। इसका उपयोग कई रोगों को ठीक करने के लिए किया जाता है। नद्यपान सूजन को कम करने, वायरस और बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करता है। इसके अलावा नद्यपान का उपयोग गले में खराश से राहत पाने के लिए भी किया जा सकता है। यह ओरल हेल्थ के लिए एक बेहतरीन जड़ी बूटी है। इतना ही नहीं नद्यपान जड़ का उपयोग त्वचा से संबंधित बीमारियों को भी दूर करने के लिए किया जाता है। यह लालिमा, खुजली और सूजन से राहत दिलाता है।

गोटू कोला : आयुर्वेद में गोटू कोला को दीर्घायु की जड़ी बूटी भी कहा जाता है। गोटू कोला एक लोकप्रिय आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है, इसका उपयोग कई बीमारियों को ठीक करने के लिए किया जाता है। यह एक बेस्वाद, गंधहीन पौधे से बना है, जिसमें पंखे के आकार की हरी पत्तियां होती हैं। यह पौधा पानी और उसके आसपास उगता है। आयुर्वेद में गोटू कोला का उपयोग स्ट्रोक के बाद लोगों की याददाश्त में सुधार करने के लिए किया जाता है। गोटू कोला स्ट्रेच मार्क्स को दूर करने में मदद करती है, वैरिकाज नसों को कम कर सकती है और घावों को तेजी से ठीक करने में मदद करती है। इतना ही नहीं गोटू कोला एक्जिमा और सोरायसिस के लक्षणों को भी कम करने में सहायक होती है। गोटू कोला जोड़ों के दर्द से भी राहत दिलाती है।

इलायची : इलायची को मसालों की रानी भी कहते हैं। प्राचीन काल से ही आयुर्वेद में इलायची का उपयोग बीमारियों को दूर करने के लिए किया जाता रहा है। इलायची पेट के अल्सर और गैस्ट्रिक अल्सर के लक्षणों में भी कमी करता है। स्वस्थ रहने के लिए आप इलायची को अपने खाने में शामिल कर सकते हैं। इलायची में मौजूद तत्व आपको कई रोगों से बचाते हैं।

आंवला पाउडर से बनाएं बालों को लंबा घना और मजबूत

लंबे घने और मजबूत बाल हर महिला की चाहत होती है। इसलिए वे अपने बालों को खूबसूरत बनाने के लिए कई उपाय आजमाती हैं। यहां तक कि महंगे हेयर केयर प्रोडक्ट्स भी यूज करती हैं। कुछ महिलाएं अपने बालों को लंबा घना बनाने के लिए प्राकृतिक उपायों को आजमाना पसंद करती है। अगर आप भी घरेलू उपाय से अपने बालों को खूबसूरत बनाना चाहती हैं, तो आंवला पाउडर का उपयोग कर सकती हैं। आंवला पाउडर बालों की कई समस्याओं को दूर करने में सहायक होता है।

स्कैल्प को सुरक्षित रखे : आंवला बालों के साथ ही स्कैल्प को भी सुरक्षित रखता है। आंवला पाउडर के उपयोग से स्कैल्प से जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं।

बालों का झड़ना रोके

अगर आप बालों के झड़ने की समस्या से परेशान हैं, तो आंवला पाउडर का इस्तेमाल कर सकती हैं। आंवला पाउडर बालों को झड़ने से रोकता है। यह बालों को जड़ों से मजबूत बनाता है, इससे हेयर फॉल रुकता है।

बालों को लंबा बनाए आंवला

बालों को लंबा और घना बनाने के लिए भी आंवला पाउडर का उपयोग किया जा सकता है। आंवले में विटामिन ई पाया जाता है, यह बालों के विकास में मदद करता है। आंवले के इस्तेमाल से बालों के रोमछिद्रों में ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ जाती है। इससे बालों का सही तरीके से विकास होता है। बालों की लंबाई बढ़ती है।

बालों को सुरक्षित रखने में कारगर

जब हमारे बालों को नुकसान पहुंचता है, तभी हेयर फॉल या बालों से जुड़ी समस्या देखने को मिलती है। बालों को क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिए आंवला लाभकारी होता है। आंवले में टैनिन नामक तत्व होता है, यह धूल-मिट्टी, प्रदूषण और सूरज की किरणों से बालों का बचाव करता है।

सफेद बालों की समस्या दूर करे

आजकल कम उम्र में ही सफेद बालों की समस्या देखने को मिल रही है। यह हमें उम्र से पहले ही बूढ़ा बना देता है। सफेद बालों की समस्या दूर करने के लिए आंवला पाउडर का उपयोग करना लाभदायक होता है। आंवले में मौजूद विटामिन सी सेल्स को क्षतिग्रस्त होने से बचाता है। इससे बालों को पर्याप्त पोषण मिलता है, बाल घने और काले बनते हैं।

सेहत के लिए अमृत के सामान है जौ का पानी रोजाना सेवन से दूर होंगी ये बीमारियां

आजकल हर कोई फिट और हेल्दी रहना चाहते हैं। स्वस्थ रहने के लिए लोग अपनी डाइट में तरह-तरह की चीजें शामिल करते हैं। जौ एक बहुत ही फायदेमंद अनाज है। जौ में विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, मैगनीज, सेलेनियम, जिंक, कॉपर, प्रोटीन, अमीनो एसिड, फाइबर और कई तरह के एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। नियमित रूप से जौ का पानी पीने से स्वास्थ्य को कई लाभ होते हैं और कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

कैसे बनाएं जौ का पानी

- जौ का पानी बनाने के लिए दो बड़े चम्मच जौ लें और इसे अच्छी तरह साफ कर लें। अब इसे करीब एक घंटे तक एक से दो कप पानी में भिगोकर छोड़ दें। इसके बाद जौ के पानी को तीन-चार गिलास पानी में धीमी आंच पर उबाल लें। 15-20 मिनट उबलने के बाद गैस को बंद कर दें। फिर इस पानी के ठंडा करके दिनभर में एक से दो बार पिएं।

जौ का पानी पीने के फायदे

- यूरीन से जुड़ी समस्याओं में जौ का पानी बहुत फायदेमंद होता है। जो लोग किडनी से जुड़ी समस्याओं से परेशान हैं, उनके लिए भी जौ के पानी बहुत ही फायदेमंद है।
- जो लोग वजन घटाना चाहते हैं, उनके लिए जाऊ के पानी का सेवन बहुत फायदेमंद माना जाता है। रोजाना जौ के पानी के सेवन से वेट लॉस में मदद मिलती है। इससे शरीर में जमा चर्बी तेजी से घटाने में मदद मिलती है।
- जौ के पानी का सेवन हमारे दिल के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। जिम लोगों को हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या है, उनके लिए जाऊ का पानी बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। नियमित रूप से जौ के पानी का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने में मदद मिलती है।
- डायबिटीज के मरीजों के लिए जौ के पानी का सेवन बहुत फायदेमंद माना जाता है। रोजाना जौ का पानी पीने से ब्लड शुगर लेवल कम करने में मदद मिलती है। जिन लोगों का शुगर लेवल हाई रहता है उनके लिए जौ के पानी का सेवन काफी असरदार साबित हो सकता है।
- जौ का पानी पीने से बॉडी डिटॉक्स होती है। रोजाना इसका सेवन करने से शरीर में जमा हानिकारक पदार्थों को बाहर निकालने में मदद मिलती है। जौ का पानी पीने से बीमारियां दूर रहती हैं और यह हमारी स्किन के लिए भी बहुत फायदेमंद है।

अलसी खाने से आपकी सेहत को मिलते हैं ये खास फायदे

अलसी के बीज पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इनके नियमित सेवन से आप कई सामान्य से लेकर गंभीर बीमारियों से अपना बचाव कर सकते हैं। अलसी के बीज वजन को नियंत्रण में रखते हैं, ये ओमेगा 3 फैटी एसिड और फाइबर का काफी अच्छा सोर्स हैं।

अलसी के पोषक तत्व : अलसी के बीज पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। अलसी के बीज में हेल्दी फैट, सोडियम, पोटैशियम और मैग्नीशियम अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। इसके साथ ही अलसी के बीज में कार्बोहाइड्रेट, डाइटरी फाइबर, प्रोटीन और कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती हैं। अलसी के बीज आयरन, ओमेगा 3 फैटी एसिड और विटामिन बी6 का भी अच्छा सोर्स हैं।

ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर अलसी : अलसी के बीज अल्फा-लिनोलेनिक एसिड के बेहतरीन सोर्सों में से एक है। यह एक प्रकार का ओमेगा -3 फैटी एसिड है, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए जरूरी होता है। अलसी में मौजूद एएलए सूजन को कम करने और कोलेस्ट्रॉल को दिल की रक्त वाहिकाओं में जमा होने से रोकने में मदद करता है।

फाइबर से भरपूर अलसी के बीज : अलसी के बीज फाइबर का एक काफी अच्छा सोर्स होते हैं। सिर्फ 7 ग्राम अलसी के बीज में करीब 2 ग्राम फाइबर पाया जाता है। अलसी के बीज में घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर होते हैं। घुलनशील फाइबर आंतों में पानी को अवशोषित करता है और पाचन को धीमा कर देता है। इससे ब्लड शुगर लेवल और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। जबकि अघुलनशील फाइबर मल त्याग की प्रक्रिया को आसान बनाता है।

वजन कम करने के लिए अलसी : अलसी के बीज वजन को नियंत्रण में रखने में सहायक होते हैं। दरअसल, अलसी के बीज में फाइबर भरपूर होता है। फाइबर से पेट भरा-भरा महसूस होता है, भूख कम लगती है और वजन नियंत्रण में रहता है। अगर आप वजन घटाना चाहते हैं, तो अलसी के बीजों को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इससे आपका वजन, बीएमआई और पेट की चर्बी कम होने में मदद मिलेगी।

डायबिटीज में फायदेमंद अलसी के बीज : अलसी के बीज ब्लड शुगर लेवल को स्थिर रखने में मदद करते हैं। साबुत अलसी रक्त शर्करा को कम कर सकती है और इंसुलिन प्रतिरोध को रोक सकती है। अलसी के बीज में घुलनशील फाइबर होता है, जिसे रक्त शर्करा कम करने में प्रभावी माना जाता है। टाइप 2 डायबिटीज में अलसी के बीज खाना फायदेमंद होता है। अलसी ब्लड शुगर को कंट्रोल करने का अच्छा उपाय है।

उच्च रक्तचाप के रोगियों के लिए लाभकारी अलसी

अलसी के बीजों में रक्तचाप के स्तर को कम करने की क्षमता होती हैं। हाई ब्लड प्रेशर रोगियों के लिए ये बीज काफी प्रभावी हो सकते हैं। अगर आप हाई ब्लड प्रेशर के मरीज है, तो डॉक्टर की सलाह पर अलसी के बीजों का सेवन कर सकते हैं। जिन लोगों को निम्न रक्तचाप की समस्या है, उन्हें अलसी के बीज खाने से बचना चाहिए। इसके साथ ही अलसी के बीज बैड कोलेस्ट्रॉल को भी कम करने में मददगार हैं।

19 लोगों की हादसे में मौत, हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान

बिलासपुर-रायपुर (आरएनएस)। कबीरधाम जिले में सोमवार को हुए भीषण सड़क हादसे में 19 लोगों की मौत पर हाईकोर्ट ने संज्ञान लेकर इसे जनहित याचिका के रूप में रजिस्टर्ड किया है। 24 मई को चीफजस्टिस की डिवीजन बेंच इस पर सुनवाई करेगी। कवर्धा जिले में कुकदूर थाना क्षेत्र के बाहपानी के पास सोमवार दोपहर 2 बजे यह हादसा हुआ। सभी ग्रामवासी सेमहारा के रहने वाले थे, जो तेंदूपत्ता तोड़कर पिकअप से वापस आ रहे थे। मारे गए लोगों में 18 महिला व एक पुरुष शामिल हैं। तीन गंभीर रूप से घायल हैं।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को 'गाय एक वरदान' पुस्तक की गई भेंट

रायपुर (विश्व परिवार)। मनोहर गौशाला के ट्रस्टी पदम डाकलिया (अखिल जैन) द्वारा लिखित गाय एक वरदान पुस्तक पूर्व राष्ट्रपति माननीय श्री रामनाथ जी कोविंद को भेंट की गई। जीव जंतू कल्याण बोर्ड भारत सरकार के डायरेक्टर माननीय श्री सुनील मानसिंगा ने पूर्व राष्ट्रपति को यह किताब भेंट की। उन्होंने गौ विज्ञान केंद्र देवलापार की भी किताब पूर्व राष्ट्रपति को भेंट की। इस दौरान करीब 30 मिनट तक पूर्व राष्ट्रपति ने चर्चा की और मनोहर गौशाला के संबंध में जानकारी दी। उन्हें मनोहर गौशाला में होने वाले रिसर्च और कामधेनु माता के बारे में बताया गया। साथ फसल अमृत, गौ अर्क सहित गौशाला में होने वाले रिसर्च और बनने वाले उत्पाद के बारे में जानकारी दी गई।

कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु हावड़ा-पुणे-हावड़ा एवं हावड़ा-सीएसएमटी-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस में एक-एक अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर चलने वाली गाड़ी संख्या

12262/12261 हावड़ा-सीएसएमटी-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस एवं 12222/12221 हावड़ा-पुणे-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस में एक-एक अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस सुविधा की उपलब्धता से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे। विवरण इस प्रकार है- यह सुविधा गाड़ी संख्या 12262 हावड़ा-सीएसएमटी में हावड़ा से दिनाँक 22 व 24 मई 2024 को एवं गाड़ी संख्या 12261 सीएसएमटी-हावड़ा में सीएसएमटी से दिनाँक 23 व 25 मई 2024 को उपलब्ध रहेगी। यह सुविधा गाड़ी संख्या 12222 हावड़ा-पुणे में हावड़ा से दिनाँक 23 व 25 मई 2024 को एवं गाड़ी संख्या 12221 पुणे-हावड़ा में पुणे से दिनाँक 25 व 27 मई 2024 को उपलब्ध रहेगी।

एम्स के द्वितीय "दीक्षांत समारोह" में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित

500 से अधिक छात्रों को प्रदान की जाएंगी डिग्री, चार को गोल्ड मेडल देंगी राष्ट्रपति

दीक्षांत समारोह के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन

रायपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल और श्रीमती उषा जिंदल ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में एम्स के द्वितीय दीक्षांत समारोह के लिए मुख्य अतिथि के रूप में माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को आमंत्रित किया। इस बार दीक्षांत समारोह में 500 से अधिक चिकित्सा छात्रों को डिग्री प्रदान की जाएंगी।

लेफ्टिनेंट जनरल जिंदल ने मंगलवार को औपचारिक रूप से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को दीक्षांत समारोह के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि एम्स के लिए यह गौरव का क्षण है कि द्वितीय दीक्षांत समारोह के लिए राष्ट्रपति को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने राष्ट्रपति से दीक्षांत समारोह में मुख्य अभिभाषण के साथ स्वर्ण पदक विजेताओं को सम्मानित करने के लिए भी अनुरोध किया है।

अधिष्ठाता (शैक्षणिक) प्रो. आलोक चंद्र अग्रवाल ने बताया कि इस बार दीक्षांत समारोह में एमबीबीएस के 203 छात्रों (2017 और 2018 बैच), बीएससी (नर्सिंग) की 116 छात्राओं (2018 और 2019 बैच), एमडी/ एमएस/ एमडीएस के 143 और डीएम/ एमसीएच की 14 डिग्री प्रदान की जाएंगी। समारोह में कुल 509 छात्रों को डिग्री दी जाएंगी। इसके साथ ही चार छात्रों को गोल्ड मेडल भी प्रदान किए जाएंगे। दीक्षांत समारोह के सुचारू आयोजन के लिए एम्स की ओर से विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है।

एम्स रायपुर वर्ष 2012 में स्थापना के बाद से 12 वर्ष की अल्प अवधि में ही देश का चिकित्सा शिक्षा का प्रमुख केंद्र बन गया है। वर्ष 2023 में शिक्षा मंत्रालय की एनआईआरएफ रैंकिंग में एम्स रायपुर को 39वां स्थान प्राप्त हुआ था। इसके साथ ही यह शोध और अनुसंधान में भी देश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में शामिल है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर 5 जून को छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल द्वारा सबेरे 10.00 बजे से न्यू कन्वेन्शन हॉल नवीन विश्राम गृह, सिविल लाईन, रायपुर में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का विषय 'जलवायु परिवर्तन सदी की सबसे बड़ी चुनौती' रखा गया है। पोस्टर प्रतियोगिता चार आयु वर्ग में आयोजित होगी जिसमे प्रथम वर्ग में 12 वर्ष तक, द्वितीय वर्ग में 13 से 17 वर्ष, तृतीय वर्ग 18 से 21 वर्ष एवं चतुर्थ वर्ग दिव्यांगजनों के लिए होगा।

प्रतियोगिता में प्रतियोगियों को आकर्षक नगद पुरस्कार दिए जाएंगे। पुरस्कार चार आयु वर्ग में पृथक-पृथक दिये जायेंगे। प्रथम पुरस्कार पांच हजार रूपए, द्वितीय पुरस्कार तीन हजार रूपए, तृतीय पुरस्कार दो हजार रूपए एवं दो सांत्वना पुरस्कार पांच सौ रूपए दिए जाएंगे।

प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को अपना पहचान पत्र एवं आयु प्रमाण-पत्र की छायाप्रति साथ लानी होंगी। रजिस्ट्रेशन प्रतियोगिता स्थल पर किया जायेगा। रजिस्ट्रेशन हेतु प्रतिभागियों को प्रातः 9.30 बजे उपस्थित होना अनिवार्य है। विजेताओं को 5 जून को ही पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

माओवादी बताएं अपनी पुनर्वास नीति में वह क्या चाहते हैं : विजय शर्मा

जगदलपुर में उपमुख्यमंत्री ने पुनर्वास नीति सुझाव के लिये मेल आईडी, गूगल फॉर्म जारी किया

नक्सलियों से वार्ता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है : विजय शर्मा

जगदलपुर/रायपुर (विश्व परिवार)। उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा ने आज जगदलपुर में नक्सलियों से वार्ता की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ते हुए पुनर्वास नीति सुझाव के लिए ईमेल आईडी और गूगल फॉर्म जारी कर माओवादियों से आग्रह किया है की वे स्वयं बताएं कि उनके पुनर्वास नीति क्या होनी चाहिए।

उन्होंने कहां कि मैं हमेशा कहता हूं की वार्ता के सारे रास्ते खुले हैं और इसके लिए हमारी भाजपा की विष्णुदेव सरकार ने नियद नेल्ला नार नाम से योजना लाकर गांव में सड़क, स्वास्थ्य, पानी, सुविधा प्रारम्भ कर समानता और विकास का एक वातावरण तैयार कर दिया हैं और यह बात भटके हुए युवा समझ रहे हैं इसीलिए हम उन्हीं से पूछ रहे हैं कि उनके पुनर्वास नीति क्या होनी चाहिए। ताकि मुख्य धारा में जुड़कर प्रदेश और देश की विकास में भागीदारी कर सके।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आप और समाज समर्थ है नक्सलवाद की इस समस्या के हल के लिए। सरकार स्वयं मानती है की आपरेशन मुख्य विषय नही है और यह तो सरकार के प्रयास का बहुत छोटा सा हिस्सा है सरकार का मुख्य प्रयास प्रभावित क्षेत्र में विकास करना, आदिवासी क्षेत्र की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास के कार्य करना है। साथ ही साथ जो युवा नक्सलवादी विचारधारा छोड़कर पुनर्वासित हुए है उनके लिए कार्य कर रही है और उनके सर्वांगीण विकास की योजना आगे बढ़ा रही है। उप मुख्यमंत्री ने युवाओं को भड़काने वाले नक्सली नेताओं से पूछा है कि चीन जैसे देशों में भी माओवाद है लेकिन वहां सामाजिक धार्मिक आर्थिक और व्यक्तिगत स्वतंत्रता शून्य है क्या वे ऐसा राज्य चाहते हैं। विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पुनर्वास नीति बहुत ही अच्छी है लेकिन उसे बेहतर बनाने के लिए किसी भी राज्य में जाकर अध्ययन करने को तैयार है परंतु मुख्य विषय यह है की ना अधिकारियों को समर्पण करना है, ना पत्रकारों को, ना शासन में बैठे लोगों को और ना आमजनों को, समर्पण माओवादियों को करना है और यह पहल उन्हीं के लिए है कि वह स्वयं बताएं कि उनके पुनर्वास नीति क्या होनी चाहिए। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिहदेव, बस्तर जिला अध्यक्ष रूप सिह मंडावी, चित्रकूट विधायक विनायक गोयल, सुभाउ कश्यप वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित थे।

बीरगांव में भू-माफियो के खिलाफ जिला प्रशासन सख्त

रायपुर (विश्व परिवार)। बीरगांव बीरगांव नगर निगम क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग की लगातार शिकायतों के बाद जिला प्रशासन के दिशा निर्देशानुसार तहसीलदार प्रेरणा सिंह के नेतृत्व एवं बीरगांव निगम प्रशासन द्वारा मंगलवार को अभियान चलाते हुए उरकुरा में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ कार्रवाई की इस दौरान अधिकारियों ने अवैध प्लाटिंग के आसपास की सड़कों को जेसीबी से खोदा और अवैध प्लाटिंग कर रहे लोगों के खिलाफ कार्यवाही की। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार बीरगांव निगम क्षेत्र में लगातार अवैध प्लाटिंग की शिकायत मिल रही थी निगम अधिकारियों के मुताबिक करीबन एक दर्जन लोगों के खिलाफ कार्यवाही की गई है अवैध प्लाटिंग के कारोबार में राजनीतिक दलों से जुड़े हुए रसूखदार जन प्रतिनिधि है जो बेखौफ होकर क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग का कारोबार कर रहे हैं और शासन को करोड़ों की चूना लग रहे हैं।

एएम/एनएस इंडिया द्वारा मनकापाल व मरोकी प्राथमिक विद्यालयों में किया गया फर्नीचर का वितरण

एएम/एनएस इंडिया कम्पनी द्वारा हो रहें शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के प्रयास

रायपुर (विश्व परिवार)। एएम/एनएस इंडिया द्वारा परिया (मनकापाल जीपी) और मारोकी (मारोकी जीपी) में प्राथमिक विद्यालयों को स्कूल फर्निचर (डेस्क और बेंच) प्रदान किया गया। यह फर्नीचर मनकापाल एवं मरोकी दोनों ग्राम पंचायतों के बुजुर्गों और कई अन्य ग्रामीणों की उपस्थिति में स्कूल समिति को सौंप दिया गया।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर मारोकी एवं मनकापाल के ग्रामवासियों ने छात्रों के समर्थन के लिए एएम/एनएस इंडिया टीम का गहरा आभार व्यक्त किया और धन्यवाद दिया। ग्रामीणों ने आगे कहा कि इन बुनियादी सुविधाओं से न केवल छात्रों के लिए पढ़ाई का माहौल बेहतर होगा, बल्कि शिक्षकों के लिए भी पढ़ाना आसान और सुविधाजनक हो पायेगा।

एएम/एनएस इंडिया के प्रोजेक्ट 'पढ़ेगा भारत' के अंतर्गत सप्ताह भर में पाइपलाइन गांवों के अन्य स्कूलों को कुल 104 डेस्क और बेंच उपलब्ध कराई जाएगी।

एएम/एनएस इंडिया कंपनी द्वारा लगातार ग्रामीण समुदायों एवं स्थानीय आदिवासी गांवों के विकास के लिए उत्कृष्ट कार्य किए जा रहे हैं। जिससे इन सभी क्षेत्रों में बुनियादी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, स्वच्छता की स्थिति, खेलों में भागीदारी और रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो सके। एएम/एनएस इंडिया के 'पढ़ेगा भारत' परियोजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षा में सुधार, समग्र विकास एवं छात्रों को पढ़ाई के प्रति प्रोत्साहित करना है, जिससे वे उन्नति की ओर अग्रसर हो सकें साथ ही एक शिक्षित एवं जागरूक समाज का निर्माण कर सके।

नवा रायपुर के सड़को में फिर दिखे बेलगाम स्टंटबाज बाइक सवार

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ की राजधानी में स्टंटबाजी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। युवा और कई बार नाबालिग भी नवा रायपुर की सड़कों पर स्टंट करते देखे गए हैं। ऐसा ही एक वीडियो फिर सामने आया। इसमें लड़के चलती बाइक में स्टंट करते दिखाई दे रहे हैं। बाइकर्स को पुलिस की कार्रवाई का कोई डर भी नहीं दिखाई दे रहा है। नवा रायपुर आईपी क्लब के पास की सड़क पर स्टंटबाजी और कई बदमाश बाइक रेसिंग कर खुद की जान जोखिम में डालकर और दूसरों की जान भी जोखिम में डाल रहे। बाइकर्स में पुलिस की कार्रवाई का कोई डर नहीं है। रेसिंग और स्टंटबाजी का इतना क्रेज़ की सोशल मीडिया पर बिना किसी डर के वीडियो अपलोड कर रहे।

सिपेट, रायपुर में क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

डॉ. एस. भारतीदासन ने आधुनिकतम तकनीक एवं मशीनों का अवलोकन कर विद्यार्थियों से से की चर्चा

रायपुर (विश्व परिवार)। केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), रायपुर की छठवी एवं सिपेट, कोरबा की तीसरी क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन विगत दिनों रायपुर के भनपुरी स्थित सिपेट परिसर में डॉ. एस. भारतीदासन, भा.प्र.से. सचिव, छत्तीसगढ़ राज्य शासन, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग की अध्यक्षता में किया गया। सर्वप्रथम अध्यक्ष डॉ. एस. भारतीदासन, भा.प्र.से. सचिव, छत्तीसगढ़ राज्य शासन, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा भ्रमण कर सिपेट में उपलब्ध आधुनिकतम तकनीक एवं मशीनों का अवलोकन कर अध्यनरत छात्र-छात्राओं से चर्चा की गई तत्पश्चात् बैठक आरंभ हुई। बैठक की शुरूआत में डॉ. आलोक साहू, प्रधान निदेशक एवं प्रमुख एवं -सचिव द्वारा सिपेट में संचालित गतिविधियों पर आधारित प्रेजेंटेशन दी गई तत्पश्चात् सिपेट रायपुर एवं सिपेट कोरबा से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा की गई।

बैठक में सिपेट में निर्माणाधीन शैक्षणिक भवन, छात्र-छात्राओं हेतु पेयजल की व्यवस्था, कोरबा में सिपेट भवन स्थानांतरण, आधुनिक मशीनों के क्रय जैसे विषयों की समीक्षा की गई तथा अध्यक्ष महोदय द्वारा यथावश्यक निर्देश संबंधित विभागों को जारी करने हेतु कहा गया साथ ही जल जीवन मिशन की तरह सिपेट में उपलब्ध गुणवत्ता जांच संबंधी सुविधाओं से युक्त आधुनिक मशीनों का उपयोग सीएसआईडीसी, उद्यानिकी जैसे राज्य शासन क विभागों द्वारा भी किये जाने हेतु संबंधित प्रतिनिधियों से कहा गया। बैठक में उद्योगों से संबंधित प्रतिनिधियों द्वारा सिपेट में गुणवत्ता परीक्षण की सुविधाओं का विस्तार करने तथा अधिक से अधिक संख्या में कुशल मेनपावर उद्योगों को प्रदान करने की बात कही गई।

बैठक में श्री सुधीर कुमार तेवतिया, अवर सचिव, रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार, श्री अवनीत कुमार जोशी, निदेशक एवं प्रमुख, सिपेट मुख्यालय के प्रतिनिधि, श्री रमेश कुमार शर्मा, भा.प्र.से. प्रबंध संचालक, मार्कफेड, एन.आई.टी. के निदेशक डॉ. एन.वी. रमण राव, एमएसएमई के संयुक्त निदेशक एवं कार्यालय प्रमुख श्री राजीव एस, बीआईएस के संयुक्त निदेशक एवं प्रमुख श्री सुमित कुमार, जलजीवन मिशन के अतिरिक्त मिशन संचालक श्री एस. एन. के पाण्डेय के प्रमुख राज्य शासन की ओर से श्री सत्येन्द्र सिंह चहेल, उपसंभागीय अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, श्री वी. के. चतुर्वेदी, संयुक्त संचालक, उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, डॉ. एम. एल. अग्रवाल, रायपुर के प्रतिनिधि सहित प्रदेश के औद्योगिक संघों के उद्यमी प्रतिनिधि सदस्य के रूप में शामिल हुए।

बैठक के अंत में श्री राजीव लिल्हारे, प्रबंधक (तकनीकी) द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया तत्पश्चात् बैठक का समापन हुआ। बैठक में श्री हरीश केडिया, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ लघु एवं सहायक उद्योग संघ, बिलासपुर, श्री संतोष जैन, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्लास्टिक एसोसिएशन, रायपुर, श्री सुनील मारदा, प्रबंधक निदेशक, मेसर्स गौतम प्लास्टिक इंडस्ट्रीज, बिलासपुर, श्री संतोष बैद्य, मेसर्स कमलेश एग्रोटेक, रायपुर की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

छत्तीसगढ़ की उभरती प्रतिभा अदिति भतपहरी

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की उभरती प्रतिभा अदिति भतपहरी बहुप्रतीक्षित फिल्म हमारे बहार से बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। रायपुर में जन्मी और पली-बढ़ी अदिति की सिल्वर स्क्रीन तक की यात्रा प्रेरणादायक और सराहनीय दोनों है। सिनेमा की दुनिया में कदम रखने से पहले उन्होंने अपनी शैक्षणिक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित नेशनल इंस्टीट्यू ऑफ़ टेक्नॉलजी रायपुर से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। अपने अभिनय कौशल को और निखारने के लिए, अदिति ने प्रतिष्ठित अनुपम खेर के एक्टर प्रिपेयर्स में डिप्लोमा कोर्स किया और अतुल माथुर के तहत कठोर प्रशिक्षण लिया, जिसने उनकी कला को महत्वपूर्ण रूप से आकार दिया। इसके अलावा, वह थिएटर में भी गहराई से शामिल रही हैं, जहां उनका प्रदर्शन रहा है। अत्यधिक प्रशंसा की गई। अपनी जीवंत ऊर्जा और समर्पण के लिए जानी जाने वाली अदिति के बॉलीवुड में प्रवेश का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है, जो उद्योग में नई प्रतिभा और एक अद्वितीय दृष्टिकोण लाने का वादा करती है। हमारे बहार में उनकी शुरुआत एक उल्लेखनीय शुरुआत है भारतीय सिनेमा में करियर।

'आरंभ' जैन यूथ मीट एवं करियर काउंसलिंग का एक दिवसीय ग्रीष्म कालीन निःशुल्क शिविर 25 मई को

रायपुर (विश्व परिवार)। परम पूज्य संत शिरोमणि समाधिस्थ आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज के महान उपकारों को स्मरण करते हुए वर्तमान आचार्य पूज्य गुरुदेव108 श्री समय सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से युवाओं में जीवनोपयोगी संस्कारों का बीजारोपण करने एवं कैरियर संबंधी संभावनाओं को उजागर करने श्री दिगंबर जैन समाज पंचायत सेवा समिति ,शंकर नगर,रायपुर के तत्वावधान में इस एक दिवसीय निःशुल्क शिविर का आयोजन दिनांक 25 मई 2024 समय रात्रि 7 बजे से 10 बजे वृंदावन हॉल, सिविल लाइन्स,रायपुर में किया जा रहा है। मंदिर समिति के अध्यक्ष मनीष जैन ने बताया की यह शिविर आरंभ जैन यूथ मीट एवं करियर काउंसलिंग अभी तक का सब से बड़ा एक दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर है। जो कि ब्रह्मचारी सुनील भईया (डीजीएम बीएसएनएल) के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में करियर काउंसलिंग विशेषज्ञ विजय चोपड़ा शिक्षाविद एवं मोटिवेशनल स्पीकर, डायरेक्टर वर्धमान इंगलिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल, फाउंडर एंड चीफ़ एडवाइज़र, छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन करियर संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

शिविर का उद्देश्य- धर्म के विषय में आज बच्चों के मन मे संशय की स्थिति बनी रहती है, जिसका समाधान प्रायः माता-पिता के पास भी नहीं होता। ऐसी समस्या के समाधान एवं जीवनोपयोगी संस्कारों का उत्कृष्ट रूप से सुदृढ़ आरोपण करना इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य है। साथ ही लौकिक शिक्षा का महत्व एवं उसमें सफलता के आधार बिंदु, लौकिक तकनीकी शिक्षा के आधार पर कार्य क्षेत्र एवं भविष्य निर्माण की संभावनाएं तलाशना, जैन धर्म के प्रति रुचि जागृत करने हेतु उपयोगी जानकारियां प्रदान करना भी इस शिविर का उद्देश्य है। इस शिविर में भाग लेने हेतु आयु सीमा 13 वर्ष से 23 वर्ष रखी गई है। शिविर में भाग लेने हेतु इंटरनेट गूगल के माध्यम से फॉर्म भरकर अपना निःशुल्क रजिस्ट्रेशन अवश्य करवाएं। शिविर में बच्चों के साथ उनके माता-पिता भी आमंत्रित हैं। इस एक दिवसीय शिविर में मुख्य अतिथि श्री सुनील कुमार जैन जी 'अजमेरा' (आई.ए.एस.) विशेष सचिव ऊर्जा विभाग,खनिज विभाग प्रबंध संचालक एवं जल जीवन प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ शासन, विशिष्ट अतिथि श्री अनिल जैन जी पूर्व सदस्य, अल्पसंख्यक आयोग, छत्तीसगढ़ उपाथित रहेंगे। -**प्रणीत जैन**

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354